Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा, हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रूड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, आगरा,राजस्थान, पंजाब, बहराइच,रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवबंद में प्रसारित

दैनिक

वेलकम इंडिया

गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

RNI NO. UPHIN/2018/76874

नये भारत की नई सोच

वर्ष: 07 अंक: 229 | शनिवार, 29 अगस्त-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

पीएम मोदी ने 7 एलकेएम में मनाया रक्षाबंधन

बच्चों संग 'हाई-फाइव' के जरिए दिया स्नेह और सौहार्द का संदेश

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को अपने सरकारी आवास, 7 लोक कल्याण मार्ग पर रक्षाबंधन मनाया। समारोह की तस्वीरों में उन्हें बच्चों के साथ हाई-फाइव करते और मुस्कुराते हुए देखा जा सकता है। एक्स पर एक पोस्ट में पीएम मोदी ने लिखा, 7, छडट में आज के रक्षाबंधन समारोह के दौरान हाई-फाइव, मुस्कान और बहुत कुछ। प्रधानमंत्री मोदी ने कामना की कि यह त्योहार लोगों के बीच स्नेह और सद्भाव के बंधन को और मजबूत करे तथा सभी के लिए खुशी, समृद्धि और आनंद लाए। एक और पोस्ट में पीएम मोदी ने कहा 7, लोक कल्याण मार्ग पर रक्षा बंधन के जश्न के कुछ यादगार पल। यह त्योहार स्नेह और सद्भाव के बंधन को और मजबूत करे। यह सभी के लिए खुशियां और समृद्धि लाए। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केंद्र में विभिन्न स्कूलों और संगठनों के बच्चों और छात्रों के साथ रक्षाबंधन मनाया। राष्ट्रपति ने कहा कि रक्षाबंधन का महत्व भाई-बहन के रिश्ते से कहीं ज्यादा है। उन्होंने कहा कि राखी का पवित्र धागा परिवार के सदस्यों, दोस्तों और यहाँ तक कि पेड़ों पर भी बांधा जा सकता है, जो प्यार और देखभाल के बंधन का प्रतीक है। पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर जोर देते हुए, उन्होंने बच्चों से पेड़-पौधों की देखभाल करने का आग्रह किया।

एक्स पर एक पोस्ट में राष्ट्रपति कार्यालय ने कहा, 'राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केंद्र में विभिन्न स्कूलों और संगठनों के बच्चों और छात्रों के साथ रक्षाबंधन मनाया। राष्ट्रपति ने कहा कि रक्षाबंधन का महत्व भाई-बहन के रिश्ते से कहीं ज्यादा है। उन्होंने कहा कि राखी का पवित्र धागा परिवार के सदस्यों, दोस्तों और यहाँ तक कि पेड़ों पर भी बांधा जा सकता है, जो प्यार और देखभाल के बंधन का प्रतीक है। पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर जोर देते हुए, उन्होंने बच्चों से पेड़-पौधों की देखभाल करने का आग्रह किया।

छात्राओं ने सीएम को बांधी राखी: योगी की बच्चों को सलाह, स्मार्टफोन से बनाएं दूरी; पढ़ें अच्छी किताबें

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्कूली बच्चों को स्मार्टफोन का इस्तेमाल कम करने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि तकनीक आज के समय की जरूरत है, लेकिन इसकी अपनी सीमा भी है। स्मार्टफोन पर जरूरत से ज्यादा निर्भरता सोचने-समझने की क्षमता को प्रभावित कर सकती है। साथ ही, ज्यादा स्क्रीन टाइम का आंखों की रोशनी पर भी असर पड़ सकता है।

मुख्यमंत्री शुक्रवार को रक्षाबंधन के अवसर पर कालिदास मार्ग स्थित अपने सरकारी आवास पर आयोजित ह्यस्नेह बंधनह्ल कार्यक्रम में स्कूली छात्राओं को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान एक छात्र ने उनसे सोशल मीडिया के बुरे प्रभाव को लेकर सवाल किया। जवाब में मुख्यमंत्री ने बच्चों से स्मार्टफोन पर कम समय बिताने और अच्छी व प्रेरणादायक किताबें पढ़ने की अपील की। योगी ने कहा कि अगर जीवन में आगे बढ़ना है तो अच्छी सोच विकसित करनी होगी। तकनीक जरूरी है, लेकिन जब किसी चीज पर निर्भरता इतनी बढ़ जाए कि वह हमारी सोचने की क्षमता को प्रभावित करने लगे तो उससे दूरी बना लेनी चाहिए। उन्होंने स्मार्टफोन को आज की पीढ़ी के लिए एक चुनौती बताया। मुख्यमंत्री ने कैलकुलेटर का उदाहरण देते हुए कहा कि पहले लोग पहाड़े और गिनती याद कर लेते थे। अब कैलकुलेटर पर बढ़ती निर्भरता से ऐसी चीजों को याद रखने की क्षमता कम हुई है। इसी तरह आज लोग लगभग हर काम के लिए स्मार्टफोन पर निर्भर होते जा रहे हैं।\ योगी ने उन बच्चों को विशेष रूप से स्क्रीन टाइम कम करने की सलाह दी, जो रोजाना चार से छह घंटे स्मार्टफोन पर बिताते हैं।

सवालों से डरती है सरकार, नहीं चाहती कि गरीब शिक्षित होकर सत्ता को चुनौती दें: अखिलेश यादव

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया कि पार्टी 'सवालों से डरती है' और नहीं चाहती कि गरीब लोग शिक्षित और सशक्त बनें। शिक्षा के मुद्दे पर बात करते हुए यादव ने पत्रकारों से कहा कि इखढ नहीं चाहती कि गरीब लोग शिक्षित हों, क्योंकि शिक्षा नागरिकों को सत्ता में बैठे लोगों से सवाल पूछने के काबिल बनाती है। वे नहीं चाहते कि कोई शिक्षा हासिल करे। सामंती सोच वाले लोग, बहुसंख्यकवादी सोच वाले लोग और ताकतवर लोग नहीं चाहते कि गरीब शिक्षित हों, क्योंकि अगर कोई गरीब व्यक्ति शिक्षित हो जाता है, तो वह उनसे सवाल पूछेगा, और वे सवालों से डरते हैं।

बीजेपी पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा बीजेपी के लोग सवालों से सबसे ज्यादा डरते हैं, और जो कोई भी सवालों से डरता है, वह लोकतंत्र और बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर के संविधान को कमजोर करता है। यादव ने पार्टी पर इतिहास से छेड़छाड़ करने और पाठ्यपुस्तकें बदलने का भी आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया, इतिहास बदला जा रहा है, किताबें बदली जा रही हैं, पुराने महान लोगों के अध्याय हटाए जा रहे हैं और फिर अपनी पसंद के महान लोगों को किताबों में शामिल कर रहा है। तो वे क्या दिखाना चाहते हैं? वे देश का इतिहास बदलना चाहते हैं। बीजेपी को देश के लिए एक बड़ी चुनौती बताते हुए रढ प्रमुख ने कहा, 'देश में सिर्फ.एक ही संकट है, और वह है भारतीय जनता पार्टी। भारतीय जनता पार्टी ही संकट है; एक बार बीजेपी हट जाए, तो सारे संकट खत्म हो जाएंगे। यादव ने यह भी सवाल उठाया कि क्या बीजेपी सरकार के फैसलों से आम लोगों को कोई फायदा हुआ है। उन्होंने कहा देश की जनता... और भारतीय जनता पार्टी ने अब तक जो भी फैसले लिए हैं, क्या वे जनता के हित में रहे हैं? विकास और जन-सुविधाओं के मुद्दे पर उत्तर प्रदेश सरकार पर निशाना साधते हुए यादव ने आरोप लगाया कि इटावा और सफाई में चल रही परियोजनाओं को नजरअंदाज किया गया। उन्होंने आरोप लगाया, 'इटावा की बात करें तो उन्होंने लायन सफारी को बर्बाद कर दिया। उनके विधायकों और मंत्रियों ने जमीन पर कब्जा कर रखा है, और वे इस बारे में कोई बात नहीं कर रहे हैं।

आईएसआई को भारतीय सिम कार्ड भेजने के आरोप में दिल्ली का दंपत्ति गिरफ्तार, पाकिस्तानी हैंडलर्स तक पहुंची जांच

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी क्रक से जुड़े कथित जासूसी नेटवर्क का भंडाफोड़ करने का दावा किया है। इस मामले में दिल्ली में रहने वाले एक पति-पत्नी को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के मुताबिक, दोनों साल 2024 से पाकिस्तान में बैठे कथित खुफिया ऑपरेटिव्स के संपर्क में थे और भारत से जुड़ी संवेदनशील जानकारी जुटाने में उनकी मदद कर रहे थे। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान साहिल (25) और उसकी पत्नी समीरा (21) के रूप में हुई है। जांच के दौरान पुलिस को ऐसे सुराग मिले हैं, जिनके तार दिल्ली से निकलकर पाकिस्तान के कराची और इस्लामाबाद तक जुड़ते हैं। पुलिस का आरोप है कि पाकिस्तान में बैठे हैंडलर्स इस दंपति को पैसे भेजते थे और बदले में उनसे अलग-अलग तरह की मदद ली जाती थी।

पुलिस के मुताबिक, साहिल और समीरा ने 2024 से 2025 के बीच आठ भारतीय सिम कार्ड हासिल किए और उन्हें दुबई के रास्ते पाकिस्तान भेजा। इन सिम कार्ड के बदले कथित तौर पर दंपति को करीब 30 हजार रुपये दिए गए। जांच एजेंसियों का कहना है कि पाकिस्तान पहुंचने के बाद इन नंबरों से WhatsApp अकाउंट एक्टिव किए गए। कथित पाकिस्तानी ऑपरेटिव्स ने इन अकाउंट्स का इस्तेमाल भारत में लोगों से संपर्क करने और संवेदनशील जानकारी हासिल करने के लिए किया। इतना ही नहीं, जांच में यह भी सामने आया कि कुछ WhatsApp अकाउंट्स के जरिए भारतीय WhatsApp ग्रुप्स में शामिल होने की कोशिश की गई। पुलिस को शक है कि इन ग्रुप्स के माध्यम से भी भारत से जुड़ी जानकारियां जुटाने का प्रयास किया जा रहा था।

स्पेशल सेल के मुताबिक, मामले में साहिल की भूमिका केवल ऑनलाइन संपर्क या लॉजिस्टिक मदद तक सीमित नहीं थी। उस पर भारत के अलग-अलग हिस्सों में कैंटोनमेंट और सैन्य इलाकों की रेकी करने का काम सौंपे जाने का आरोप है। पुलिस का यह भी कहना है कि साहिल से सेना के ऐसे जवानों से जुड़ी जानकारी हासिल करने की कोशिश की गई, जिनके खिलाफ सैन्य न्यायिक कार्रवाई यानी कोर्ट मार्शल की कार्यवाही चल रही थी। जांचकताओं के मुताबिक, इन सुरागों से संकेत मिलता है कि कथित नेटवर्क का मकसद सिर्फ सामान्य सूचनाएं इकट्ठा करना नहीं था। इसकी नजर भारतीय रक्षा प्रतिष्ठानों और सैन्य गतिविधियों से जुड़ी संवेदनशील जानकारियों पर भी थी।

पुलिस के अनुसार, इस पूरे मामले की शुरूआत सोशल मीडिया से हुई। साहिल कथित तौर पर 2024 में Instagram के जरिए एक पाकिस्तानी एजेंट के संपर्क में आया था। पुलिस का आरोप है कि इस संपर्क को उसकी पत्नी समीरा ने आगे बढ़ाने में भूमिका निभाई। साहिल और समीरा एक-दूसरे को 2022 से जानते थे और बाद में दोनों ने शादी कर ली। जांच के मुताबिक, Instagram पर संपर्क में आए पाकिस्तानी एजेंट ने बाद में इस दंपति को एक पाकिस्तानी खुफिया ऑपरेटिव से मिलवाया। कथित तौर पर इसी ऑपरेटिव ने दोनों को पैसे का लालच देकर नेटवर्क के लिए काम करने के लिए तैयार किया। इसके बाद उनकी जिम्मेदारियां भी बढ़ती गईं। पुलिस का कहना है कि दंपति को दिल्ली में नेटवर्क के लिए लॉजिस्टिक मदद उपलब्ध कराने के साथ-साथ नए लोगों को जासूसी और फील्ड ऑपरेशन से जोड़ने का काम भी दिया गया था।

स्पेशल सेल ने सबसे पहले साहिल को दिल्ली के सराय काले खां इलाके में स्थित चांद बीबी कैंप से गिरफ्तार किया। वह मोहम्मद अशफाक का बेटा है। साहिल के मोबाइल फोन की फोरेंसिक जांच के दौरान पुलिस को कथित तौर पर पाकिस्तानी एजेंट्स के साथ हुई बातचीत मिली। इन्हीं चैट्स के आधार पर जांच आगे बढ़ी और अधिकारियों को समीरा की कथित भूमिका के बारे में जानकारी मिली। इसके बाद पुलिस ने समीरा को भी गिरफ्तार कर लिया। उसके मोबाइल फोन से भी WhatsApp चैट और बातचीत मिलने का दावा किया गया है। पुलिस के अनुसार, इन बातचीत में साहिल के अलावा पाकिस्तान में बैठे कथित हैंडलर्स से संपर्क के संकेत मिले। दंपति के पास से दो मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। पुलिस का कहना है कि इन उपकरणों में पाकिस्तानी खुफिया ऑपरेटिव्स के साथ बातचीत के अलावा भारत में नेटवर्क से जुड़े लोगों और उनकी गतिविधियों से संबंधित जानकारी भी मौजूद थी। जांच में कथित नेटवर्क की तस्वीर यहीं तक सीमित नहीं रही। पुलिस का कहना है कि पाकिस्तान में बैठे हैंडलर्स भारत में मौजूद कुछ लोगों से सोशल मीडिया और एन्क्रिप्टेड कम्युनिकेशन प्लेटफॉर्म के जरिए संपर्क कर रहे थे।

अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों को मुफ्त कोचिंग उपलब्ध कराने के लक्ष्य का मात्र 26 प्रतिशत ही हासिल: कांग्रेस

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस ने कहा है कि सरकार का शिक्षा क्षेत्र को उपेक्षित करने का आलम यह है कि सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय को तीन वर्षों में 10500 विद्यार्थियों को मुफ्त कोचिंग के लिए नामांकित करना था, लेकिन वह अब तक मात्र 2790 विद्यार्थियों का ही नामांकन कर पायी है।

कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने शुक्रवार को कहा कि मंत्रालय निर्धारित लक्ष्य का मात्र 26 प्रतिशत ही पूरा कर पाया है। इसी खुलासे के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बढ़ते जनदबाव से बचने की कोशिश में 15 अगस्त को विद्यार्थियों के लिए मुफ्त ऑनलाइन कोचिंग की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि सरकार की मुफ्त कोचिंग योजना का प्रदर्शन लोगों में भरोसा पैदा नहीं कर रहा है।

श्री रमेश ने कहा, 'इस योजना का बजट हर वर्ष कम हुआ है और पिछले वर्ष इस पर किया गया खर्च निर्धारित बजट के आधे से भी कम था। ये तथ्य सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय की संसदीय स्थायी समिति की नवीनतम रिपोर्ट में सामने आये हैं, जिसे 10 अगस्त 2026 को संसद में पेश किया गया।'

कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि देश की चरमराई शिक्षा व्यवस्था को बुनियादी तौर पर ठीक करने और सार्वजनिक शिक्षा में दोबारा निवेश करने की बजाय मोदी सरकार ने सार्वजनिक संसाधनों को ऑनलाइन कोचिंग में लगाने का फैसला किया है। उन्होंने इसे जवाबदेही से बचने का एक उपक्रम मात्र करार दिया और कहा कि सरकार पहले ही दिखा चुकी है कि इस योजना को सफलतापूर्वक लागू करने की उसकी क्षमता बेहद कम है।

उन्होंने कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने पहले ही देश की शिक्षा व्यवस्था पर सवालिया निशान लगाते हुए 17 जून को कोटा में 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम में कहा था कि मुनाफा कमाने वाली कोचिंग इंडस्ट्री ने सार्वजनिक शिक्षा व्यवस्था की जगह ले ली है और भारतीय परिवार कोचिंग केंद्रों पर सरकार द्वारा शिक्षा में किये जाने वाले निवेश से 2.5 गुना अधिक खर्च कर रहे हैं।

कैमक स्ट्रीट होर्डिंग मामला: टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी और डेरेक ओ'ब्रायन के खिलाफ एफआईआर दर्ज

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में पुलिस ने तृणमूल कांग्रेस के नेताओं डेरेक ओह्लब्रायन, महासचिव अभिषेक बनर्जी और अन्य के खिलाफ पुलिस के काम में बाधा डालने और मारपीट करने के आरोप में एफआईआर दर्ज की है। पुलिस ने बताया कि कोलकाता के 9, कैमक स्ट्रीट स्थित एक अनाधिकृत होर्डिंग को हटाने के दौरान हुई कथित झड़प के संबंध में शेक्सपियर सरानी पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि नगर निगम से होर्डिंग हटाने में मदद के लिए लिखित अनुरोध प्राप्त होने के बाद पुलिस टीम 27 अगस्त को केएमसी अधिकारियों के साथ घटनास्थल पर पहुंचा थी। पुलिस का आरोप है कि डेरेक ओह्लब्रायन, अभिषेक बनर्जी, हुमायूं कबीर, बैसानोर चट्टोपाध्याय और अन्य ने अपने समर्थकों के साथ मिलकर गैरकानूनी सभा बनाई और पुलिसकर्मियों और केएमसी अधिकारियों को उनके कर्तव्यों का पालन करने से रोका। शेक्सपियर सरानी में बीएनएस की कई धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। अब पूरे मामले की बात करें तो गुरुवार दोपहर कोलकाता नगर निगम के अधिकारी पुलिस के साथ कैमक स्ट्रीट स्थित अभिषेक के कार्यालय गए। कार्यालय की छत पर लगे तृणमूल के विशाल बिलबोर्ड और बैनर को हटाने की प्रक्रिया शुरू करते समय नगर निगम के कर्मचारियों को कई बाधाओं का सामना करना पड़ा। वहां मौजूद नगर निगम कर्मचारियों और पुलिस अधिकारियों के साथ अभिषेक बनर्जी, डेरेक ओह्लब्रायन और वैश्वानर चटर्जी के बीच तीखी बहस छिड़ गई। स्थिति देखते ही देखते हाथापाई में तब्दील हो गई। आखिरकार स्थिति को नियंत्रण में लाने के बाद नगर निगम के कर्मचारी कार्यालय की छत पर पहुंचे। गैस कटर और हथौड़ों का उपयोग करते हुए उन्होंने बिलबोर्ड के लोहे के ढांचे को तोड़ दिया और तृणमूल का बैनर फाड़ दिया।

नेपाल में विनाशकारी बाढ़ के बाद 320 भारतीय नागरिक लापता, 21 को स्वदेश लाया गया: विदेश मंत्रालय

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। नेपाल में विनाशकारी बाढ़ के बाद वहां करीब 320 भारतीय नागरिक लापता हैं जबकि 21 भारतीय नागरिकों को अब तक सुरक्षित स्वदेश लाया गया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को यहां मीडिया ब्रीफिंग में बताया कि गुरुवार को त्रिशूली ऊर्जा परियोजना में फंसे 63 लोगों को बचाया गया था। काठमांडू में भारतीय राजदूत ने उनसे मुलाकात की है। इसके अलावा 96 भारतीय नागरिक चीन के क्षेत्र से जमीन के मार्ग से नेपाल की ओर सुरक्षित पहुंच चुके हैं। इन सभी को स्वदेश लाने के लिए सरकार व्यवस्था कर रही है। उन्होंने कहा कि चीन के क्षेत्र में अभी भी करीब 400 भारतीय नागरिक हैं लेकिन वे सभी सुरक्षित हैं और उनके परिजनों तथा भारतीय दूतावास से उनकी बात हुई है क्योंकि वहां मोबाइल नेटवर्क काम कर रहा है। उस क्षेत्र में भी भूस्खलन हुआ है और रास्तों के खराब होने के कारण इनके आने में समय लग सकता है। सरकार इन्हें स्वदेश लाने की व्यवस्था कर रही है। प्रवक्ता ने कहा कि इसके अलावा भारतीय मूल के 100 और लोग लापता हैं जो अलग-अलग देशों के रहने वाले हैं।

सोनिया गांधी पर किताब प्रकाशित नहीं करेगा पेंगुइन इंडिया, संपादकीय बदलाव से लेखिका का इनकार

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। सोनिया गांधी ने पहले भी दूसरी किताबें लिखी और संपादित की हैं, लेकिन जिन लोगों ने इस किताब पर काम किया है, उनके अनुसार यह उनके जीवन का सबसे निजी और अहम विवरण है। नॉफ ने इसे 'दुनिया की सबसे प्रमुख महिला नेताओं में से एक का एक सम्मोहक संस्मरण' बताया है।

कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के संस्मरण ह्यबिलॉन्गिंगः अ जर्नी ऑफ लवह्ल (Belonging: a Journey of Love) को पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया प्रकाशित करने वाला था, लेकिन वह अब ऐसा नहीं करेगा। इस बात की जानकारी इंडियन एक्सप्रेस को मिली है।

सूत्रों ने बताया कि पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया किताब के एक हिस्से में कुछ बदलाव और चीजे हटाना चाहता था, लेकिन लेखिका ने इसे अस्वीकार कर दिया था। पेंगुइन इंडिया के बाहर होने के बाद, कई भारतीय प्रकाशक अब इस दौड़ में शामिल हैं और खबर है कि हार्पर कॉलिन्स भारत में किताब को पब्लिश और डिस्ट्रीब्यूट करने के लिए एग्रीमेंट को अंतिम रूप देने के करीब है। 10 नवंबर को रिलीज होने वाली इस किताब की घोषणा सबसे पहले अमेरिका स्थित अल्फ्रेड ए. नॉफ ने की थी, जो पेंगुइन रैंडम हाउस की एक शाखा है। नॉफ ने बताया था कि इस किताब की पहली छपाई 100000 प्रतियों की होगी। सोनिया गांधी ने पहले भी दूसरी किताबें लिखी और संपादित की हैं, लेकिन जिन लोगों ने इस किताब पर काम किया है, उनके अनुसार यह उनके जीवन का सबसे निजी और अहम विवरण है। नॉफ ने इसे 'दुनिया की सबसे प्रमुख महिला नेताओं में से एक का एक सम्मोहक संस्मरण' बताया है। नॉफ की विज्ञप्ति में सोनिया गांधी के हवाले से कहा गया है, 'मेरे परिवार के बारे में बहुत कुछ लिखा गया है, लेकिन कुछ ही वृत्तांत उनकी प्रेरणाओं, उनके कार्यों और यहां तक कि उनकी मानवीय कमियों की सच्चाई तक पहुंच पाए हैं।

संपादक की कलम से

खेलों की उड़ान, विकसित भारत की पहचान

ललित शर्मा
संपादक

राष्ट्रीय खेल दिवस केवल एक महान खिलाड़ी की स्मृति को नमन करने का अवसर नहीं, बल्कि राष्ट्र की खेल-चेतना को जगाने एवं खेल आयामों को नये शिखर देने का दिन है। 29 अगस्त को मनाया जाने वाला यह दिवस हॉकी के महानायक मेजर ध्यानचंद की जयंती से जुड़ा है। खेल किसी राष्ट्र की शक्ति का केवल प्रदर्शन नहीं होते, वे उसके आत्मविश्वास, अनुशासन, सामूहिकता और वैश्विक प्रतिष्ठा के दर्पण भी होते हैं। आज जब भारत 2047 में स्वतंत्रता की शताब्दी तक विकसित राष्ट्र बनने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है, तब खेलों को राष्ट्रीय विकास की मुख्यधारा से जोड़ना समय की अनिवार्यता है। स्वस्थ नागरिक, अनुशासित युवा, विश्वस्तरीय खिलाड़ी और खेल-संस्कृति से संपन्न समाज-ये विकसित भारत की आधारशिलाएं हैं। 29 अगस्त 1905 को जन्मे मेजर ध्यानचंद भारतीय हॉकी के ऐसे जादूगर थे, जिन्होंने अपनी स्टिक से केवल गोल नहीं किए, बल्कि दुनिया के खेल मानचित्र पर भारत की पहचान अंकित की। 1928, 1932 और 1936 के ओलंपिक में भारतीय हॉकी टीम की स्वर्णिम सफलता में उनका योगदान ऐतिहासिक रहा। उनके खेल में कौशल के साथ राष्ट्रभक्ति, अनुशासन और समर्पण का अद्भुत समन्वय था। उनके सम्मान में राष्ट्रीय खेल दिवस मनाना वास्तव में उस खेल-दर्शन को याद करना है जिसमें प्रतिभा से बड़ा परिश्रम और व्यक्तिगत उपलब्धि से बड़ा राष्ट्र का गौरव होता है। ध्यानचंद की विरासत आज के खिलाड़ियों को यह संदेश देती है कि खेल का अंतिम लक्ष्य केवल पदक नहीं, बल्कि देश के लिए सम्मान अर्जित करना है। निश्चित तौर पर खेल अब मनोरंजन नहीं, राष्ट्रीय शक्ति हैं। एक समय भारत में खेलों को पढ़ाई या रोजगार के विकल्प के रूप में गंभीरता से नहीं देखा जाता था। आज परिस्थितियां तेजी से बदली हैं। क्रिकेट से आगे बढ़कर एथलेटिक्स, बैडमिंटन, कुश्ती, मुक्केबाजी, निशानेबाजी, भारोत्तोलन, हॉकी, टेबल टेनिस, तीरंदाजी, शतरंज और अनेक अन्य खेलों में भारतीय खिलाड़ी विश्व स्तर पर अपनी पहचान बना रहे हैं। नीरज चोपड़ा ने एथलेटिक्स में ओलंपिक स्वर्ण जीतकर भारतीय युवाओं को बताया कि ट्रैक और फील्ड में भी भारत विश्व विजेता बन सकता है। पी. वी. सिंधु ने बैडमिंटन में लगातार दो ओलंपिक पदक जीतकर नई पीढ़ी के लिए आदर्श स्थापित किया। मनु भाकर, डी. गुकेश, मीराबाई चानू, निकहत जरीन, लवलीना बोरगोहेन, अवनि लेखरा, हरमनप्रीत सिंह और अनेक खिलाड़ियों ने अलग-अलग खेलों में भारतीय प्रतिभा की व्यापकता सिद्ध की है। यह बदलाव किसी एक खिलाड़ी की सफलता नहीं, बल्कि बदलती हुई राष्ट्रीय खेल-संस्कृति का संकेत है। टोक्यो 2020 में भारत ने सात पदक जीते और पेरिस 2024 में छह पदक हासिल किए। पदकों की संख्या भले ही अभी विकसित खेल राष्ट्रों के बराबर न हो, लेकिन भारतीय खेलों की चौड़ाई और प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता लगातार बढ़ी है। पैरालंपिक खेलों में भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन तो विशेष रूप से प्रेरणादायी रहा है। उन्होंने यह मिथक तोड़ा है कि शारीरिक सीमाएं सफलता की सीमा निर्धारित करती हैं। भारत की वास्तविक उपलब्धि केवल पदकों में नहीं है। आज छोटे शहरों, कस्बों और गांवों से निकलने वाले युवा अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में देश का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। यह खेलों के लोकतंत्रीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण परिवर्तन है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खेलों को राष्ट्रीय विकास और युवा सशक्तीकरण के महत्वपूर्ण माध्यम के रूप में सामने रखा है।

आरक्षण का दंश: गहरी होती सामाजिक सद्भावना की खाई

एनके शर्मा
लेखक

भारत ने सदियों की सामाजिक विषमता, भेदभाव और वंचना से निकलकर समानता की ओर बढ़ने का कठिन संकल्प लिया था। संविधान निमार्ताओं ने यह समझा कि जिस समाज में कुछ वर्गों को शिक्षा, सम्मान, संसाधनों और अवसरों से लंबे समय तक दूर रखा गया हो, वहां केवल कानूनी समानता पर्याप्त नहीं हो सकती। इसलिए आरक्षण को सामाजिक न्याय और प्रतिनिधित्व का एक महत्वपूर्ण साधन बनाया गया। उसका मूल उद्देश्य किसी को कमजोर करना नहीं, बल्कि ऐतिहासिक रूप से वंचित वर्गों को मुख्यधारा में लाना था। लेकिन सात दशकों से अधिक की यात्रा के बाद आज एक असहज प्रश्न हमारे सामने खड़ा है—क्या आरक्षण सामाजिक न्याय की सीढ़ी बना है या राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का ऐसा औजार, जिसकी छाया में समाज के भीतर नई खाइयां लगातार गहरी होती जा रही हैं?

यह प्रश्न आरक्षण के अस्तित्व से अधिक उसके स्वरूप, विस्तार, क्रियान्वयन और राजनीतिक उपयोग से जुड़ा है। समस्या तब विकराल होती है जब सामाजिक न्याय की अवधारणा चुनावी गणित में बदल जाती है और नागरिक की पहचान उसकी प्रतिभा, परिश्रम और संवैधानिक अधिकारों से पहले उसकी जातीय पहचान से होने लगती है। लोकतंत्र में प्रतिनिधित्व आवश्यक है, लेकिन यदि प्रतिनिधित्व की राजनीति समाज को स्थायी रूप से वर्गों और जातीय खांचों में बांट दे, तो लोकतंत्र का सामाजिक आधार कमजोर पड़ने लगता है।

आरक्षण का उद्देश्य अवसरों की असमानता को कम करना था, लेकिन आज अवसरों की कमी स्वयं एक विस्फोटक प्रश्न बन चुकी है। सरकारी नौकरियां सीमित हैं, उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा महंगी होती जा रही है, प्रतियोगिताएं अत्यधिक कठिन हैं और करोड़ों युवा रोजगार की प्रतीक्षा में हैं। ऐसे वातावरण में जब किसी एक वर्ग को मिलने वाली सुविधा दूसरे वर्ग के लिए अवसरों की कमी के रूप में दिखाई देती है, तो असंतोष जन्म लेना स्वाभाविक है। यह असंतोष हमेशा तथ्यात्मक रूप से उचित हो, ऐसा आवश्यक नहीं; लेकिन लोकतंत्र में धारणा भी राजनीतिक वास्तविकता बन जाती है।

सबसे बड़ा खतरा तब पैदा होता है जब सामाजिक न्याय की लड़ाई सामाजिक शत्रुता में परिवर्तित होने लगे। जातीय पहचान यदि अधिकारों की मांग का माध्यम बने तो लोकतांत्रिक विमर्श का हिस्सा है; लेकिन वही पहचान यदि दूसरे समुदाय के प्रति घृणा, अविश्वास अथवा स्थायी प्रतिस्पर्धा का आधार बन जाए, तो समाज के ताने-बाने पर गंभीर प्रहार करती है। विश्वविद्यालयों से लेकर प्रतियोगी परीक्षाओं तक, नौकरी से लेकर राजनीतिक प्रतिनिधित्व तक, विवाह से लेकर सामाजिक संबंधों तक—यदि हर क्षेत्र में नागरिक स्वयं को पहले किसी जाति का सदस्य और बाद में भारतीय समझने लगे, तो राष्ट्र की साझा चेतना कमजोर होना तय है।

विडंबना यह है कि आरक्षण पर बहस अक्सर दो अतियों में फंस जाती है। एक पक्ष इसे सामाजिक न्याय की अंतिम और अपरिहार्य व्यवस्था मानता है, जबकि दूसरा इसे पूर्णतः समाप्त करने की मांग करता है। दोनों अतियां समस्या का समाधान नहीं करतीं। वास्तविक आवश्यकता ऐसी नीति की है जो ऐतिहासिक वंचना को स्वीकार करे, वर्तमान सामाजिक-आर्थिक वास्तविकताओं को मापे और समय-समय पर प्रमाण आधारित समीक्षा करे। किसी भी लोकतांत्रिक नीति को स्थायी राजनीतिक पवित्रता का दर्जा नहीं दिया जा सकता। नीति का मूल्यांकन उसके परिणामों से होना चाहिए, उसके राजनीतिक नारों से नहीं।

आरक्षण की सबसे गंभीर चुनौती 'क्रीमी लेयर', लाभों के असमान वितरण और उन परिवारों तक अवसरों के बार-बार सीमित रहने की है जो पहले ही सामाजिक-आर्थिक रूप से आगे बढ़ चुके हैं। यदि किसी नीति का लाभ पीढ़ियों तक एक ही अपेक्षाकृत सक्षम समूह में केंद्रित होता जाए और उसी समुदाय के सबसे गरीब, अशिक्षित और दूरदराज के लोग पीछे छूटते रहें, तो सामाजिक न्याय की आत्मा ही कमजोर हो जाती है। इसलिए प्रश्न यह नहीं होना चाहिए कि आरक्षण किसके पक्ष में है; प्रश्न यह होना चाहिए कि वास्तविक रूप से वंचित व्यक्ति तक अवसर पहुंच भी रहा है या नहीं।

दूसरी ओर, आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की पीड़ा को भी केवल इसलिए नजरअंदाज नहीं किया जा सकता कि वे किसी आरक्षित श्रेणी में नहीं आते। गरीबी जाति देखकर पेट नहीं भरती। बेरोजगारी जाति देखकर परिवार की चिंता नहीं बढ़ाती। महंगी शिक्षा किसी की जातीय पहचान पूछकर फीस नहीं लेती। इसलिए सामाजिक न्याय की अवधारणा को व्यापक बनाते हुए आर्थिक कमजोरी, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की उपलब्धता, ग्रामीण-शहरी अंतर, दिव्यांगता, भौगोलिक पिछड़ापन और अन्य वास्तविक वंचनाओं को भी नीति-निर्माण में पर्याप्त महत्व देना होगा।

सबसे चिंताजनक स्थिति तब बनती है जब राजनीतिक दल सामाजिक समूहों को नागरिकों के रूप में नहीं, बल्कि वोट-बैंकों के रूप में देखने लगते हैं। चुनावी राजनीति में जातीय समीकरण तत्काल लाभ दे सकते हैं, लेकिन उनके दीर्घकालिक परिणाम अत्यंत खतरनाक हो सकते हैं। यदि हर चुनाव से पहले किसी नई जाति को आरक्षण का आश्वासन, किसी वर्ग को विशेष पैकेज और किसी समुदाय को अलग राजनीतिक संरक्षण देकर सामाजिक समर्थन जुटाया जाएगा, तो अंततः लोकतंत्र अधिकारों की प्रतिस्पर्धा का ऐसा मैदान बन सकता है जिसमें हर समूह स्वयं को दूसरे से वंचित समझने लगे।

यह स्थिति राष्ट्रीय कलह का बीज बन सकती है। इतिहास गवाह है कि समाज केवल आर्थिक असमानता से नहीं टूटते; वे तब भी टूटते हैं जब लोगों को यह विश्वास होने लगे कि व्यवस्था उनके साथ निष्पक्ष नहीं है। न्याय की वास्तविकता जितनी महत्वपूर्ण है, न्याय की विश्वसनीयता भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। यदि एक युवा को यह लगता है कि उसकी मेहनत का मूल्य उसकी जातीय पहचान से कम या अधिक तय हो रहा है, तो उसके भीतर व्यवस्था के प्रति आक्रोश पैदा हो सकता है। दूसरी ओर, यदि कोई ऐतिहासिक रूप से वंचित समुदाय यह महसूस करे कि उसके साथ हुए अन्याय को केवल 'मेरिट' के नाम पर नकार दिया जा रहा है, तो उसके भीतर भी असुरक्षा और आक्रोश पैदा होगा। दोनों दिशाओं का आक्रोश अंततः राष्ट्र को ही कमजोर करता है।

'मेरिट' और 'सामाजिक न्याय' को एक-दूसरे का शत्रु बनाना भी एक गंभीर भूल है। प्रतिभा निर्वात में पैदा नहीं होती। जिस बच्चे को उत्कृष्ट विद्यालय, पौष्टिक भोजन, पुस्तकें, इंटरनेट, प्रशिक्षित शिक्षक और सुरक्षित वातावरण मिलता है, उसकी प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता स्वाभाविक रूप से उस बच्चे से अलग होगी जिसे इन बुनियादी सुविधाओं के लिए भी संघर्ष करना पड़ा है। इसलिए वास्तविक समाधान केवल सीटों और प्रतिशतों की गणना में नहीं, बल्कि प्रारंभिक अवसरों की समानता में छिपा है।

यदि सरकारें सचमुच आरक्षण की आवश्यकता कम करना चाहती हैं तो उन्हें आरक्षण पर केवल बहस नहीं, बल्कि उसकी मूल वजहों पर प्रहार करना होगा। सरकारी विद्यालयों की गुणवत्ता, उच्च शिक्षा की पहुंच, ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल और शैक्षिक संसाधन, कौशल विकास, रोजगार सृजन और आर्थिक अवसरों का विस्तार—ये वे हथियार हैं जिनसे असमानता की जड़ काटी जा सकती है। जिस दिन प्रत्येक बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और प्रत्येक युवा को सम्मानजनक अवसर मिलेगा, उस दिन आरक्षण की मांग का सामाजिक आधार स्वतः कमजोर होगा। भारत के सामने आज सबसे बड़ा प्रश्न यह नहीं है कि आरक्षण रहेगा या जाएगा। बड़ा प्रश्न यह है कि क्या हम ऐसी व्यवस्था बना पाएंगे जिसमें किसी बच्चे को अपने जन्म पर गर्व या अपराधबोध करने की आवश्यकता न पड़े; जहां उसकी पहचान उसकी क्षमता, चरित्र और कर्म से हो; जहां सामाजिक न्याय का अर्थ किसी के अधिकार छीनना नहीं बल्कि अवसरों का विस्तार करना हो। हमें यह स्वीकार करना होगा कि सामाजिक न्याय और राष्ट्रीय एकता एक-दूसरे के विरोधी नहीं हैं। समस्या तब पैदा होती है जब सामाजिक न्याय की भाषा राजनीतिक ध्रुवीकरण का हथियार बन जाती है। आरक्षण को न तो अंधभक्ति की वस्तु बनाया जाना चाहिए और न ही घृणा का प्रतीक। उसे संविधान की मूल भावना—समानता, न्याय और बंधुत्व—के संदर्भ में लगातार परखा जाना चाहिए। आज आवश्यकता एक ऐसी राष्ट्रीय बहस की है जो नारों से ऊपर उठे। जातीय जनगणना हो या आरक्षण की सीमा, आर्थिक आधार हो या सामाजिक पिछड़ापन—हर प्रश्न का उत्तर आंकड़ों, संवैधानिक मूल्यों और स्वतंत्र विशेषज्ञता के आधार पर तलाशना होगा। राजनीतिक दलों को भी यह समझना होगा कि समाज को बांटकर हासिल किया गया चुनावी लाभ राष्ट्र को जोड़ने की कीमत पर नहीं हो सकता। क्योंकि सामाजिक खाई जब बहुत गहरी हो जाती है तो उसके ऊपर बने विकास के पुल भी कमजोर पड़ जाते हैं। जिस राष्ट्र के युवा एक-दूसरे को प्रतिस्पर्धी नागरिक के बजाय जातीय प्रतिद्वंद्वी समझने लगें, वहां प्रतिभा पलायन करती है, संस्थाओं पर विश्वास घटता है और लोकतांत्रिक संवाद धीरे-धीरे संघर्ष में बदलने लगता है। आज जो असंतोष दिखाई दे रहा है, वह यदि विवेकपूर्ण सुधार, पारदर्शिता और व्यापक अवसरों से नहीं संभाला गया, तो कल यही असंतोष सामाजिक संघर्ष का अधिक विकराल रूप ले सकता है। आरक्षण को लेकर सबसे बड़ी चेतावनी यही है—यह व्यवस्था स्वयं राष्ट्र का शत्रु नहीं है; लेकिन यदि इसे न्याय के बजाय स्थायी राजनीतिक विभाजन का औजार बना दिया गया, तो इसके दुष्परिणाम किसी एक जाति, वर्ग या दल तक सीमित नहीं रहेंगे। वे पूरे समाज को अपनी चपेट में ले सकते हैं। भारत को ऐसी राजनीति नहीं चाहिए जो नागरिकों की संख्या गिने; भारत को ऐसी राजनीति चाहिए जो नागरिकों की क्षमता बढ़ाए। हमें ऐसी व्यवस्था चाहिए जिसमें किसी युवा का भविष्य उसकी जाति के प्रमाणपत्र से नहीं, उसकी शिक्षा, योग्यता, परिश्रम और अवसरों से निर्धारित हो। सामाजिक न्याय का अंतिम लक्ष्य यह नहीं हो सकता कि समाज हमेशा लाभार्थियों और वंचितों में विभाजित रहे।

तू मेहर करो, मैं नित नित गंदला होता

उदय कशोर साह

कविता

तू मेहरबाना मेहर करो, मैं नित नित गंदला होता,
अपने ही कर्मों के कारण, अंदर से दुखड़ा रोता।
माया-मोह ने घेर लिया, मन अपना राह भुलाता,
तेरी रहमत की एक नजर, डूबे को पार लगाता।

मेरे दाग न देख दातार, अपनी मेहर बरसा देना,
भटके हुए इस मन को तू, चरणों में अपने लगा लेना।
मैं कच्चा घड़ा हूँ मालिक, पल-पल टूटता जाता,
तेरा नाम सहारा बनकर, जीवन मेरा संवारता।

तेरी कृपा की बूंद पड़े तो, मन निर्मल हो जाए,
अहंकार की काली घटा हटे, भीतर सूरज उग आए।
झूठी दुनिया की चाह मिटे, सच्चे रंग में रंग जाऊँ,
तेरे नाम की धुन में मालिक, अपना आप भुलाऊँ।

तू चाहे तो काँटा भी प्रभु, फूलों जैसा खिल जाए,
तेरी नजर पड़े जिस पर, उसका भाग्य बदल जाए।
मेरी झोली खाली है, इसमें अपनी दया भर देना,
जिस राह से तू खुश हो मालिक, उसी राह पर चल देना।

तू मेहरबाना मेहर करो, बस इतनी अरदास हमारी,
तेरे बिना अधूरी लगती, दुनियाँ की हर खुशहाली।
किशन जब अंतिम साँस चले मेरी, नाम तेरा ही होठों पर,
तेरी मेहर में मिट जाऊँ मैं, तेरे ही पावन चरणों पर।

व्यायाम मस्तिष्क में नए न्यूरॉन्स के निर्माण में मदद कर सकता है

डॉ विजय गर्ग
लेखक

व्यायाम को आमतौर पर हृदय, मांसपेशियों और हड्डियों को मजबूत बनाने के लिए जाना जाता है। लेकिन वैज्ञानिकों को अब लगातार यह पता चल रहा है कि शारीरिक गतिविधि मस्तिष्क को कोशिकीय स्तर पर भी प्रभावित कर सकती है।

हाल के शोध से संकेत मिलता है कि व्यायाम से उत्पन्न होने वाले जैविक संकेत नए न्यूरॉन्स (तंत्रिका कोशिकाओं) के निर्माण को प्रोत्साहित कर सकते हैं। इस प्रक्रिया को न्यूरोजेनेसिस (ठी४१ड्डौल्ली२२) कहा जाता है। यह खोज इस बात के बढ़ते प्रमाणों में शामिल है कि व्यायाम के लाभ केवल शारीरिक फिटनेस तक सीमित नहीं हैं।

इस शोध का एक रोचक पहलू मस्तिष्क की एस्ट्रोसाइट्स नामक कोशिकाओं से जुड़ा है। पहले इन कोशिकाओं को मुख्य रूप से सहायक कोशिकाएं माना जाता था, लेकिन अब वैज्ञानिक जानते हैं कि वे न्यूरॉन्स के साथ सक्रिय रूप से संवाद करती हैं और मस्तिष्क के वातावरण को नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। शोधकर्ता यह समझने का प्रयास कर रहे हैं कि इन कोशिकाओं की गतिविधि और उनके संकेत नए न्यूरॉन्स के विकास को किस तरह प्रभावित कर सकते हैं।

जब हम व्यायाम करते हैं, तो शरीर में कई तरह के रासायनिक और जैविक संकेत उत्पन्न होते हैं। मस्तिष्क में बेहतर रक्त प्रवाह, हार्मोन और वृद्धि कारकों में परिवर्तन तथा विभिन्न प्रकार की कोशिकाओं के बीच संचार मस्तिष्क को प्रभावित कर सकते हैं। इनमें से कुछ संकेत नई तंत्रिका कोशिकाओं के विकास और उनके जीवित रहने के लिए अनुकूल परिस्थितियां बना सकते हैं।

यह संभावना विशेष रूप से हिप्पोकैम्पस जैसे मस्तिष्क क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण है, जो सीखने और स्मृति से जुड़ा होता है। पशुओं पर किए गए अध्ययनों में पाया गया है कि शारीरिक गतिविधि इस क्षेत्र में नए न्यूरॉन्स के निर्माण को बढ़ा सकती है। हालांकि मनुष्यों में इस प्रक्रिया का अध्ययन अधिक जटिल है और वैज्ञानिक अभी यह समझने का प्रयास कर रहे हैं कि ये प्रभाव मनुष्यों में कितनी मजबूती से काम करते हैं।

यह समझना भी जरूरी है कि इसका अर्थ यह नहीं है कि व्यायाम निश्चित रूप से बड़ी संख्या में नई मस्तिष्क कोशिकाएं बना देगा। न्यूरोजेनेसिस एक जटिल प्रक्रिया है, जिस पर उम्र, नींद, पोषण, तनाव और कई अन्य कारकों का प्रभाव पड़ता है। इसके अलावा, कोशिकीय स्तर पर उपलब्ध कई महत्वपूर्ण प्रमाण अभी प्रयोगशाला और पशु-अध्ययनों से प्राप्त हुए हैं। फिर भी, उभरती वैज्ञानिक तस्वीर उत्साहजनक है। व्यायाम केवल शरीर को मजबूत बनाने में ही मदद नहीं कर सकता, बल्कि यह ऐसे जैविक संकेत भी उत्पन्न कर सकता है जो मस्तिष्क को स्वस्थ और अनुकूलनशील बनाए रखने में सहायक हों।

इसलिए नियमित शारीरिक गतिविधि को केवल फिटनेस बनाए रखने के साधन के रूप में नहीं, बल्कि मस्तिष्क के स्वास्थ्य, सीखने की क्षमता और स्वस्थ उम्र बढ़ने को समर्थन देने वाली जीवनशैली का हिस्सा भी माना जाना चाहिए।

मस्तिष्क हमारी अपेक्षा से कहीं अधिक सक्रिय रूप से शारीरिक गतिविधियों का जवाब दे सकता है। हर नियमित सैर, खेल या व्यायाम हमारे शरीर और मस्तिष्क की कोशिकाओं को सक्रिय रहने, अनुकूलन करने और सीखते रहने का संदेश दे सकता है।

हमारे पास सब कुछ है, बस एक-दूसरे के लिए वक्त कम है

कृति आरके जैन
लेखिका

हर दौर अपनी तरक्की के साथ एक सवाल भी छोड़ जाता है—क्या आगे बढ़ते-बढ़ते हम भीतर से पीछे तो नहीं रह गए? तकनीक और भौतिक उपलब्धियाँ जीवन को आसान बना सकती हैं, लेकिन जीवन की सार्थकता तब है, जब हम अपने अस्तित्व की सीमाएँ लांघकर दूसरों के जीवन से जुड़ें। सहानुभूति कमजोरी नहीं, बल्कि मानवीय रिश्तों को थामे रखने वाली ताकत है। किसी अनजान की आँखों में छिपा दर्द देख पाना, किसी दूसरे के दुःख को महसूस कर पाना—यहीं से मनुष्यता जीवंत होती है। तकनीक हमें सक्षम और संपत्ति हमें सम्पन्न बना सकती है, मगर इंसान होने की पूर्णता तभी मिलती है, जब किसी और की पीड़ा हमारे भीतर संवेदना जगा सके।

आज की विडंबना है कि कदम तेज हुए हैं, मगर ठहरकर किसी को महसूस करने की फुर्सत कम हो गई है। प्रतिस्पर्धा ने दृष्टि को इतना अपने तक सीमित कर दिया है कि सामने का दुःख भी भीतर दस्तक नहीं दे पाता। विचारशीलता दिखावटी संवेदना नहीं, बल्कि उन अनकहे भावों को समझने की क्षमता है, जिन्हें शब्द नहीं मिलते। किसी अजनबी की आँखों में चिंता पहचानना, थके हाथ को सहारा देना, किसी अकेले के पास कुछ देर ठहरना—ये छोटे लगने वाले प्रयास ही समाज को जोड़ते हैं। यदि हर व्यक्ति रोज ऐसा कोई काम करे, जो किसी दूसरे की मुश्किल कम कर दे, तो नकारात्मकता का अंधेरा धीरे-धीरे छंटने लगेगा।

समाज की मजबूत नींव कानून से पहले आपसी समझ पर टिकी होती है। परिवार से लेकर अपरिचित व्यक्ति तक हर रिश्ता तब जीवित रहता है, जब दूसरे की स्थिति समझने की इच्छा बनी रहे। समझ खत्म होते ही संवाद की जगह कठोरता और अपनत्व की जगह दूरी ले लेती है। परिवर्तन हमेशा बड़े आंदोलनों से नहीं आता; रोजमर्रा की दया, विनम्रता, क्षमा और सहयोग की आदतें भी दूर तक असर डालती हैं। तनाव के बीच प्रेम और अलगाव के बीच एकता का बीज बोना ही सामाजिक जिम्मेदारी है। शक्ति का असली प्रमाण यह नहीं कि हम कितना हासिल कर सकते हैं, बल्कि यह है कि किसी दूसरे का बोझ कितना हल्का कर सकते हैं। सभ्यता की पहचान संसाधनों से कम और संवेदनशीलता से अधिक होती है।

संवेदना की पहली पाठशाला बाहर नहीं, भीतर है। जिसने अपने मन की आवाज दबा दी, वह दूसरे के मौन को कैसे सुनेगा? आधुनिक आपाधापी ने तनाव, अकेलेपन और मानसिक थकान को जीवन का हिस्सा बना दिया है। हम दुनिया संभालने की चिंता में अपने भीतर का संतुलन भूल जाते हैं। स्वयं के प्रति संवेदनशील होना स्वार्थ नहीं, बल्कि करुणा की आधारभूमि है। अपने भय, थकान और भावनाओं को समझना हमें अधिक मानवीय बनाता है। भीतर संतुलन होगा, तभी बाहर सहानुभूति बहेगी। आत्मचिंतन वह दीप है, जो भीतर की अंधेरी जगहों को प्रकाशित करता है।

शिक्षा की सफलता इससे तय होनी चाहिए कि वह बच्चों को कितना योग्य और जिम्मेदार बनाती है। विद्यालय यदि केवल अंक, प्रतियोगिता और पद की तैयारी कराएं, तो सफल व्यक्ति बना सकते हैं, उत्तरदायी नागरिक नहीं। बच्चों के मन में सहानुभूति का बीज जितनी जल्दी पड़े, समाज का भविष्य उतना सुरक्षित होगा। सामुदायिक सेवा, पर्यावरण संरक्षण, जरूरतमंदों की सहायता और साझा जिम्मेदारियों में भागीदारी उन्हें सिखाती है कि जीवन केवल स्वयं तक सीमित नहीं है। सफलता का अर्थ ऊंचे अंक या बड़ा पद भर नहीं; किसी दूसरे के लिए उपयोगी और सहृदय होना भी उसकी कसौटी है। ऐसी शिक्षा बच्चों को संवेदनशील नागरिक और सामाजिक परिवर्तन का वाहक बनाती है।

सच्चे बदलाव की नींव सत्ता, धन या बल से नहीं, मानवीय मूल्यों से बनती है। इतिहास गवाह है कि अहिंसा और सत्य को जीवन का मार्ग बनाने वाले, निस्वार्थ सेवा में स्वयं को समर्पित करने वाले और समानता के लिए संघर्ष करने वाले महान व्यक्तित्वों ने करुणा को सामाजिक शक्ति बनाया। उनका संदेश था कि मनुष्य पर अधिकार जमाना परिवर्तन नहीं; उसके भीतर परिवर्तन जगाना ही असली उपलब्धि है। स्थायी परिवर्तन वहीं संभव है, जहां दूसरे की गरिमा अपने हित जितनी ही महत्वपूर्ण हो। समाज तभी बेहतर बनता है, जब संवेदना विचारों तक सीमित न रहकर व्यवहार का हिस्सा बने।

तकनीक ने दूरियों को पलों में मिटा दिया, लेकिन दिलों की दूरी अब भी संवेदना से ही घटती है। स्क्रीन का लाइक, टिप्पणी या सहानुभूति का इमोजी उस मदद का विकल्प नहीं बन सकता, जो संकट में किसी के साथ खड़े होकर दी जाती है। किसी को ध्यान से सुनना, समय देना, अकेलेपन में साथ बैठना या जरूरत पर सहारा बनना आभासी प्रशंसा से कहीं अधिक मूल्यवान है। किसी चेहरे पर लौटती राहत की चमक किसी डिजिटल स्वीकृति से गहरी होती है। इसलिए सवाल तकनीक छोड़ने का नहीं, बल्कि उसके बीच मनुष्य को देखने का है। धर्म, जाति और संस्कृति अलग हो सकती हैं, पर करुणा वह भाषा है, जो सबको जोड़ती है।

विचारशीलता किसी अवसर या औपचारिकता तक सीमित नहीं होनी चाहिए। यह हमारे रोजमर्रा के व्यवहार की दिशा बननी चाहिए। दूसरों के लिए समय निकालना, उनकी भावनाओं को समझना और जहां संभव हो, उनके जीवन की कठिनाई कम करना ही इसकी सच्ची अभिव्यक्ति है। सवाल यह नहीं कि हम संवेदना की बातें कितनी करते हैं; सवाल यह है कि क्या हम संवेदनशील होकर जीते हैं। दया, सहानुभूति और विचारशीलता को केवल आदत नहीं, चरित्र बनाना होगा। जीवन की अंतिम सफलता इसी में है कि हमारे होने से कितने जीवन बेहतर और कितने चेहरे अधिक उजले हुए।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड़, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर, दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया। संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्र: 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

घर पर प्रसव हुआ तो एमओआईसी जिम्मेदार: जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन

आयुष्मान कार्ड और एचपीवी टीकाकरण में तेजी लाने के निर्देश, हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं की निगरानी पर जोर

वेलकम इंडिया/असदुल्लाह सिद्दीकी

सिद्धार्थनगर। जिला स्वास्थ्य समिति एवं स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन की अध्यक्षता में हुई। बैठक में स्वास्थ्य सेवाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने अधिकारियों को कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने 70 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों के आयुष्मान कार्ड बनाने में तेजी लाने को कहा।

उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों और आशाओं के माध्यम से पात्र बुजुर्गों को चिन्हित कर लक्ष्य पूरा कराने के निर्देश दिए। मातृ स्वास्थ्य को लेकर जिलाधिकारी ने सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि गर्भवती महिलाओं का प्रसव अस्पताल में ही कराया जाए। घर पर प्रसव होने की स्थिति में संबंधित एमओआईसी की जिम्मेदारी तय की जाएगी। उन्होंने सभी एनबीएसयू को 24 घंटे सक्रिय रखने और गर्भवती महिलाओं व उनके परिजनों को तत्काल सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। जननी सुरक्षा योजना में कम फीडिंग पर नाराजगी जताते हुए जिलाधिकारी ने पात्र लाभार्थियों का पंजीकरण कर उन्हें प्रोत्साहन राशि उपलब्ध कराने को कहा। वार रूम को पूरी तरह सक्रिय रखने और एमओआईसी को नियमित निरीक्षण करने के निर्देश भी दिए। बैठक में बीएचएनडी दिवस पर हाई रिस्क प्रेग्नेंसी वाली महिलाओं को चिन्हित कर बेहतर उपचार और जरूरी सावधानियों की जानकारी देने पर जोर दिया गया। एएनएम, आशा और आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को समन्वय के साथ काम करने तथा गर्भवती महिलाओं को पोषाहार और आवश्यक दवाएं उपलब्ध कराने को कहा गया। जिलाधिकारी ने लापरवाही बरतने वाले सीएचओ, आशा और एएनएम को नोटिस जारी करने तथा कम प्रसव कराने वाली आशाओं को चिन्हित कर कार्रवाई के निर्देश दिए। 9 से 13 वर्ष की बालिकाओं के एचपीवी टीकाकरण को लेकर भी जिलाधिकारी ने गंभीरता दिखाई। उन्होंने कहा कि कोई भी बालिका टीकाकरण से वंचित न रहे। स्कूलों में शिक्षा विभाग के सहयोग से टीमें भेजकर टीकाकरण कराने और यू-विन पोर्टल पर शत-प्रतिशत फीडिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में टीबी के संभावित मरीजों की पहचान, जांच और उपचार, एचआईवी जागरूकता अभियान, आयुष्मान केंद्रों के समय से खुलने, आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में उच्च रक्तचाप और मधुमेह के मरीजों की जांच तथा ई-संजीवनी के माध्यम से अधिक से अधिक मरीजों को टेलीमेडिसिन सुविधा उपलब्ध कराने की समीक्षा की गई। बारिश के मौसम में मलेरिया, डेंगू और इंसेफलाइटिस के खतरे को देखते हुए तेज बुखार वाले मरीजों को चिन्हित कर जांच और उपचार कराने के निर्देश दिए गए। साफ-सफाई के साथ एंटी लार्वा का छिड़काव कराने को भी कहा गया।

जिलाधिकारी ने सभी एमओआईसी को ओपीडी में सुधार लाने, एचएमआईएस और आरसीएच पोर्टल पर सही एवं समय से डाटा फीड करने तथा मरीजों को बाहर की दवाएं नहीं लिखने के निर्देश दिए। इमरजेंसी में रेफरल रजिस्टर में मरीजों का पूरा विवरण दर्ज करने और वार रूम के नियमित निरीक्षण के निर्देश भी दिए गए। बैठक में सीएमओ डॉ. संजय कुमार दोहरे, सीएमएस डॉ. सच्चिदानंद उपाध्याय, जिला कार्यक्रम अधिकारी साहब यादव, बीएसए शैलेष कुमार समेत स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, सभी एमओआईसी, डीपीएम, बीपीएम, बीसीपीएम और अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

भाई-बहन के स्नेह का पर्व रक्षाबंधन हर्षोल्लास से मनाया

वेलकम इंडिया/असदुल्लाह सिद्दीकी

बिस्कोहर/सिद्धार्थनगर। शुक्रवार को बिस्कोहर कस्बे और ग्रामीण क्षेत्रों में रक्षाबंधन का पर्व उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया। बहनों ने भाइयों की कलाई पर राखी बांधकर उनके सुख-समृद्धि और दीर्घायु की कामना की। २२भाइयों ने भी बहनों को उपहार देकर उनकी रक्षा का संकल्प लिया। बहराइच से बिस्कोहर पहुंचीं शालू पासवान ने भाई किशन पासवान की कलाई पर राखी बांधकर रक्षाबंधन का पर्व मनाया। नोयडा से बिस्कोहर आई अनुराधा कसौधन ने अपने भाई आशुतोष गुप्ता को राखी बांधी । सानवी ने अपने चार वर्षीय भाई सार्थक की कलाई पर राखी बांधने के बाद उसे मिठाई खिलाई, तो दिव्या कौशल ने अपने डेढ़ वर्षीय भाई रुद्रा की कलाई पर राखी बांधी ।नायरा ने अपने ढाई वर्षीय भाई हिमांशु यादव की कलाई पर राखी बांधकर पर्व की खुशियां साझा कीं। घरों में सुबह से ही राखी बांधने और मिठाई खिलाने का सिलसिला चलता रहा ।रक्षाबंधन के लिए उत्तम मुहूर्त सुबह 5:57 बजे से 9:48 बजे तक रहा। इसके बाद दूसरा शुभ मुहूर्त दोपहर 1:52 बजे से शाम 4:35 बजे तक रहा। इसी शुभ समय के बीच कस्बे और ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों ने विधि-विधान से रक्षाबंधन का पर्व मनाया।

साड़ी तिराहे पर भटकती मिली तीन वर्षीय बच्ची, पुलिस ने परिजनों से मिलाया

सिद्धार्थनगर (वेलकम इंडिया)। साड़ी तिराहे पर शुक्रवार को भटकती मिली तीन वर्षीय बच्ची को सिद्धार्थनगर थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सकुशल उसके परिजनों को सौंप दिया। बच्ची की पहचान वैभवी पुत्री शशांक कुमार निवासी कमालपुर, थाना धीना, जनपद चंदौली के रूप में हुई है। बच्ची वर्तमान में अपने परिजनों के साथ कृष्णानगर, सिद्धार्थनगर में रह रही थी। पुलिस के अनुसार, बच्ची भटककर साड़ी तिराहे पर पहुंच गई थी। इसकी सूचना डायल 112 के माध्यम से पुलिस को मिली। सूचना मिलते ही थाना पुलिस ने बच्ची को अपने संरक्षण में लेकर सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों से उसके परिजनों की तलाश शुरू की। प्रयास के बाद पुलिस ने बच्ची के माता-पिता से संपर्क किया। सूचना मिलने पर बच्ची की मां पूजा और पिता शशांक कुमार पुलिस के पास पहुंचे। पहचान की पुष्टि के बाद पुलिस ने बच्ची को सकुशल उनके सुपुर्द कर दिया। बच्ची को पाकर परिजनों के चेहरे पर खुशी लौट आई। परिजनों ने पुलिस की त्वरित कार्रवाई और मानवीय पहल की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

रक्षाबंधन पर 'ऑपरेशन विश्वास' का मिला तोहफा, मॉडल टाउन थाना पुलिस ने 30 से ज्यादा लोगों को लौटाए मोबाइल

वेलकम इंडिया/एहसान अंसारी

नई दिल्ली। नॉर्थ-वेस्ट डिस्ट्रिक्ट रक्षाबंधन के पावन अवसर पर नॉर्थ-वेस्ट डिस्ट्रिक्ट के मॉडल टाउन थाना पुलिस ने 'ऑपरेशन विश्वास' के तहत नागरिकों को बड़ी राहत देते हुए गुम और चोरी हुए 30 से अधिक मोबाइल फोन उनके वास्तविक मालिकों को वापस लौटाए। मोबाइल वापस मिलने के बाद लोगों के चेहरे पर खुशी और राहत साफ दिखाई दी। काफी समय से अपने मोबाइल फोन वापस मिलने का इंतजार कर रहे नागरिकों के लिए यह पल बेहद खास रहा। पुलिस द्वारा मोबाइल फोन सौंपे जाने के बाद खासकर लड़कियों और महिलाओं के चेहरों पर खुशी की मुस्कान लौट आई। मोबाइल वापस मिलने पर नागरिकों ने दिल्ली पुलिस का आभार जताया। रक्षाबंधन के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में पुलिस और नागरिकों के बीच अपनत्व और विश्वास की खूबसूरत तस्वीर देखने को मिली। मोबाइल फोन लोगों के लिए केवल एक डिवाइस नहीं, बल्कि उसमें जरूरी संपर्क, महत्वपूर्ण जानकारियां और निजी यादें भी जुड़ी होती हैं। ऐसे में मोबाइल वापस मिलना उनके लिए बड़ी राहत और खुशी का कारण बना। इस मौके पर सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) सुरेश चंदर, थाना मॉडल टाउन के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) अशोक गिरी, अतिरिक्त थाना प्रभारी निरीक्षक (एडिशनल एसएचओ) देवीलाल सहित पुलिस अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। मोबाइल रिकवरी टीम में हेड कांस्टेबल राज सिंह और कांस्टेबल प्रदीप ने मोबाइल फोन की बरामदगी और उन्हें उनके वास्तविक मालिकों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पुलिस के अनुसार, 'ऑपरेशन विश्वास' के तहत गुम और चोरी हुए मोबाइल फोन को तकनीकी माध्यमों एवं पुलिस की कार्रवाई के जरिए बरामद कर उनके वास्तविक मालिकों तक पहुंचाने का लगातार प्रयास किया जा रहा है। मॉडल टाउन थाना पुलिस की इस पहल से पुलिस और नागरिकों के बीच विश्वास, सहयोग और अपनत्व की भावना और मजबूत हुई।

छिनैती के मोबाइल और वारदात में प्रयुक्त बाइक ओर आरोपी गिरफ्तार

वेलकम इंडिया/असदुल्लाह सिद्दीकी

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थनगर थाना पुलिस ने छिनैती की घटना का खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से छिनैती का मोबाइल फोन और वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद की है। प्रभारी निरीक्षक नवीन कुमार सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने शुक्रवार को कार्रवाई करते हुए थाना क्षेत्र में दर्ज मुकदमा संख्या 258/2026 से संबंधित आरोपी विजय सोनकर उर्फ गोलू पुत्र श्याम प्रकाश निवासी गोपीजोत, थाना मोहाना को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार आरोपी के कब्जे से झपटमारी का एक मोबाइल फोन तथा घटना में प्रयुक्त अपाचे मोटरसाइकिल संख्या यूपी55 एवाई9691 बरामद हुई। बरामदगी के आधार पर पुलिस ने आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी कर आरोपी को न्यायालय भेज दिया। गिरफ्तारी करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक नवीन कुमार सिंह, उपनिरीक्षक सुरेश राम, मुख्य आरक्षी विवेक गुप्ता, आरक्षी अर्जुन यादव और आरक्षी अंकित कुमार शामिल रहे।

छात्राओं ने जिलाधिकारी को बांधा रक्षासूत्र, डीएम ने मिठाई खिलाकर दिया उपहार

वेलकम इण्डिया/असदुल्लाह सिद्दीकी

सिद्धार्थनगर। रक्षाबंधन के पावन पर्व पर शुक्रवार को कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, नौगढ़ में छात्राओं ने जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन को रक्षासूत्र बांधकर पर्व मनाया। बालिकाओं ने जिलाधिकारी को तिलक लगाकर राखी बांधी और उनके स्वस्थ एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने छात्राओं को रक्षाबंधन पर्व की महत्ता बताते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं। उन्होंने बालिकाओं को मिठाई खिलाई और उपहार देकर उनका उत्साहवर्धन किया। जिलाधिकारी ने छात्राओं को मन लगाकर पढ़ाई करने और अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए प्रेरित किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय में रक्षाबंधन को लेकर उत्साह का माहौल रहा। जिलाधिकारी ने विद्यालय की व्यवस्थाओं के संबंध में भी जानकारी ली। इस अवसर पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शैलेश कुमार, खंड शिक्षा अधिकारी नौगढ़ राम कुमार सिंह, जिला समन्वयक (बालिका शिक्षा) सुरेंद्र श्रीवास्तव, विद्यालय की वार्डन, पूर्णकालिक शिक्षिका, लेखाकार, रसोइया, चौकीदार और चपरासी मौजूद रहे।

सील तोड़कर अस्पताल में चोरी-छिपे इलाज का मामला, प्रबंधक समेत दो पर मुकदमा

वेलकम इंडिया/असदुल्लाह सिद्दीकी

इटवा। सक्षम स्तर से सील किए जा चुके इटवा जनता सेवा हॉस्पिटल में कथित रूप से चोरी-छिपे चिकित्सकीय सेवाएं संचालित किए जाने के मामले में इटवा पुलिस ने अस्पताल के प्रबंधक-संचालक और परिसर में संचालित एमए फार्मा एंड मेडिकल एजेंसी के प्रबंधक-संचालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। कार्रवाई सीएमओ डॉ. संजय दोहरे और नैदानिक स्थापना के नोडल अधिकारी डॉ. मानवेन्द्र पाल की संयुक्त तहरीर पर की गई। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार जून में अस्पताल में उपचार के दौरान नवजात की मौत के मामले में प्रथम दृष्टया अस्पताल की भूमिका सामने आने पर चिकित्सकीय सेवाएं बंद रखने के निर्देश दिए गए थे। बाद में अस्पताल को सील कर दिया गया था इसके बावजूद इलाज जारी रहने की शिकायत पर सोमवार रात करीब 10:48 बजे स्वास्थ्य विभाग की टीम ने पुलिस के साथ अस्पताल का निरीक्षण किया। इस दौरान सील टूटी मिली।ऑपरेशन थियेटर में हाल में शल्यक्रिया किए जाने के संकेत मिले। डस्टबिन में खून लगी सामग्री, रुई, पट्टी और इस्तेमाल किए गए इंजेक्शन भी मिले। अस्पताल के सामने मिली गर्भवती महिला ने वहां उपचार कराने की बात कही, जिसे सीएचसी इटवा भेजा गया। वहीं, एमए फार्मा एंड मेडिकल एजेंसी भी रात में खुली मिली। विभाग ने सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो का भी हवाला दिया है, जिसमें सील तोड़ता युवक प्रथम दृष्टया अस्पताल संचालक राकेश यादव जैसा प्रतीत होने की बात कही गई है। पुलिस ने धारा 270, 271, 329(4) और 34(1) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थानाध्यक्ष अनिल कुमार दुबे ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर मामले की छानबीन

रक्षाबंधन पर जनप्रतिनिधियों ने दिया बहनों की सुरक्षा और सम्मान का संदेश

वेलकम इंडिया/असदुल्लाह सिद्दीकी

सिद्धार्थनगर। विधानसभा क्षेत्र कपिलवस्तु के अंतर्गत बाबा अवधनाथ अतिथि गृह, नगर पालिका परिषद सिद्धार्थनगर में शुक्रवार को रक्षाबंधन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डुमरियागंज सांसद जगदंबिका पाल, कपिलवस्तु विधायक श्यामधनी राही और नगर पालिका परिषद सिद्धार्थनगर के अध्यक्ष गोविंद माधव सहित अन्य जनप्रतिनिधि शामिल हुए। इस दौरान उपस्थित बहनों ने जनप्रतिनिधियों को रक्षासूत्र बांधकर रक्षाबंधन पर्व मनाया। कार्यक्रम के दौरान सांसद जगदंबिका पाल ने कहा कि रक्षाबंधन भाई-बहन के पवित्र प्रेम, विश्वास और अटूट रिश्ते का प्रतीक है। यह पर्व समाज में भाईचारे, सामाजिक समरसता और आपसी स्नेह को मजबूत करता है। कपिलवस्तु विधायक श्यामधनी राही ने कहा कि बहनों का स्नेह और आशीर्वाद उनके लिए हमेशा प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने सभी बहनों के सुख, समृद्धि और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। नगर पालिका अध्यक्ष गोविंद माधव ने कहा कि रक्षाबंधन हमें महिलाओं के सम्मान और सुरक्षा के प्रति अपनी जिम्मेदारी का एहसास कराता है। उन्होंने सभी बहनों को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं देते हुए उनके सुखी जीवन की मंगलकामना की। कार्यक्रम के दौरान जनप्रतिनिधियों ने बहनों के प्रति आभार व्यक्त किया और रक्षाबंधन पर्व की शुभकामनाएं दीं।

मारपीट के पीड़ित परिवार से मिले एआईएमआईएम पदाधिकारी

वेलकम इंडिया/असदुल्लाह सिद्दीकी

इटवा/सिद्धार्थनगर। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) सिद्धार्थनगर की टीम ने शुक्रवार को इटवा नगर पंचायत में 25 अगस्त को रेहड़ी पर फल बेचने वाले इसरार के साथ हुई मारपीट के मामले में उसके परिवार से मुलाकात की। टीम में प्रदेश महासचिव मोहम्मद सलमान, प्रदेश सचिव अरबाब फारूकी और जिलाध्यक्ष निशात अली शामिल रहे। पदाधिकारियों ने पीड़ित परिवार से घटना की जानकारी ली और हर संभव सहायता का भरोसा दिलाया। पार्टी पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि घटना में शामिल कुछ लोग हिंदू युवा वाहिनी और भाजपा से जुड़े हैं, जिसके कारण राजनीतिक दबाव में एकपक्षीय कार्रवाई किए जाने की सूचना मिली है। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच और पीड़ित को न्याय दिलाने की मांग की। पदाधिकारियों ने कहा कि किसी भी घटना में कानून के अनुसार निष्पक्ष कार्रवाई होनी चाहिए। पीड़ित परिवार को भरोसा दिलाया गया कि जरूरत पड़ने पर पार्टी हर स्तर पर उसके साथ खड़ी रहेगी। इस दौरान जिला महासचिव खान अनवर, शम्स तबरेज, सलाम खान, शमसुद्दीन अंसारी, डॉ. हाशमी, आजाद अहमद और मेराज अहमद सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

देवीधुरा में भव्य बग्वाल मेला, आस्था और परंपरा का दिखा संगम

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। चम्पावत जिले के विश्व प्रसिद्ध शक्तिपीठ माँ वाराही धाम, देवीधुरा में रक्षाबंधन के पावन अवसर पर ऐतिहासिक बग्वाल मेले का भव्य आयोजन हुआ। सदियों पुरानी इस अनूठी परंपरा में आस्था, लोक संस्कृति, परंपरा और सामुदायिक सहभागिता का अद्भुत संगम देखने को मिला। बग्वाल के दौरान पूरा क्षेत्र माँ वाराही के जयकारों से गूंज उठा और बड़ी संख्या में श्रद्धालु इस ऐतिहासिक आयोजन के साक्षी बने। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भी देवीधुरा पहुंचकर मेले में प्रतिभाग किया। देवीधुरा हेलीपैड पर पारंपरिक लोकनृत्य छोलिया की मनमोहक प्रस्तुति के साथ मुख्यमंत्री का स्वागत किया गया। इस दौरान कैबिनेट मंत्री राम सिंह कैड़ा, डीएम मनीष कुमार, एसपी रेखा यादव सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने शक्तिपीठ माँ वाराही देवी के मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

उन्होंने प्रदेशवासियों को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि माँ वाराही मइया सभी पर अपनी कृपा बनाए रखें। उन्होंने देवीधुरा की पावन भूमि और विश्व प्रसिद्ध बग्वाल मेले को उत्तराखंड की अगाध आस्था, समृद्ध लोक संस्कृति और सामुदायिक सहभागिता का जीवंत प्रतीक बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार आधुनिक विकास के साथ अपनी सांस्कृतिक जड़ों, लोक परंपराओं और ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। विकास को केवल बुनियादी ढांचे तक सीमित नहीं रखा जा रहा, बल्कि धार्मिक और ऐतिहासिक धरोहरों को भी विकास की मुख्यधारा से जोड़ा जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इसी उद्देश्य से मानसखंड मंदिर माला मिशन के अंतर्गत कुमाऊं क्षेत्र के प्रमुख पौराणिक और धार्मिक स्थलों का कायाकल्प किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि पिछले पांच वर्षों में क्षेत्र में धार्मिक अवस्थापना और सौंदर्यीकरण के तहत 68.58 करोड़ रुपये की लागत से 397 कार्य कराए गए हैं। मुख्यमंत्री ने देवीधुरा को नगर पंचायत बनाने की घोषणा करते हुए कहा कि क्षेत्र में 9.80 करोड़ रुपये की लागत से मल्टी लेवल पार्किंग का निर्माण शीघ्र कराया जाएगा। उन्होंने प्रदेशवासियों और विशेष रूप से युवा पीढ़ी से अपनी समृद्ध लोक परंपराओं एवं सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया। उन्होंने ह्यविकास भी और विरासत भीह्न के संकल्प को दोहराते हुए कहा कि उत्तराखंड के विकास के साथ उसकी सांस्कृतिक पहचान को भी मजबूती दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने चार खाम और सात थोक के बीच खेले जाने वाले इस अनोखे प्राचीन पाषाण युद्ध का भी अवलोकन किया। रक्षाबंधन के अवसर पर मेले में बालिकाओं और महिलाओं ने मुख्यमंत्री को राखी बांधकर रक्षाबंधन पर्व की खुशियां साझा कीं। माँ वाराही मंदिर में प्रधान पुजारी की विधिवत पूजा-अर्चना के बाद बग्वाल की शुरूआत हुई। इसके बाद चारों खाम–वालिक, चम्याल, गहड़वाल और लमगड़िया के बग्वालियों ने मैदान में प्रवेश किया। चारों खाम के बग्वाली क्रमशः सफेद, गुलाबी, भगवा और पीले रंग के पारंपरिक परिधानों और पगड़ियों में सजे नजर आए। उनके हाथों में बांस और रिंगाल से निर्मित पारंपरिक ढालें थीं। शंखनाद और माँ वाराही के जयकारों के बीच बग्वाल का शुभारंभ हुआ। मैदान में फलों और फूलों की बरसात के बीच बग्वालियों ने अपनी परंपरा का निर्वहन किया। इस दौरान पूरा बग्वाल मैदान माँ वाराही के जयकारों से गूंजता रहा। श्रद्धालुओं और दर्शकों में इस ऐतिहासिक परंपरा को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला। मुख्यमंत्री ने कहा कि माँ वाराही मइया सभी की चिंता करती हैं और देवीधुरा की यह अनूठी परंपरा देश-दुनिया में अपनी अलग पहचान रखती है। उन्होंने कहा कि यह विरासत केवल देवीधुरा के बग्वाल मैदान में देखने को मिलती है। यहां की परंपरा अनुशासन, आपसी भाईचारे और सामाजिक सौहार्द की मिसाल है। बग्वाल की परंपरा पूरी होने के बाद सभी योद्धाओं का एक-दूसरे से गले मिलना इस बात का प्रतीक है कि यह आयोजन आपसी

गुरु रविदास जी की 650वीं जयंती के उपलक्ष्य में कलश वंदन कार्यक्रम आयोजित किया

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की 650वीं जयंती के उपलक्ष्य में चलाए जा रहे समरसता संकल्प अभियान के अंतर्गत आज देहरादून महानगर भाजपा कार्यालय में आयोजित कलश वंदन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर गुरु रविदास जी की पावन जन्मस्थली से लाई गई पवित्र मिट्टी से भरे कलशों को देहरादून महानगर के विभिन्न मंडलों तक पहुंचाने के लिए वितरित किया गया। इन कलशों को मंडलों के मंदिरों में स्थापित कर गुरु रविदास जी के समानता, सामाजिक सद्भाव और भाईचारे के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम में देहरादून नगर निगम मेयर सौरभ थपलियाल, कैबिनेट मंत्री एवं राजपुर रोड विधायक खजान दास, रायपुर विधायक उमेश शर्मा काऊ, देहरादून महानगर अध्यक्ष सिद्धार्थ अग्रवाल सहित भाजपा महानगर के पदाधिकारीगण, विभिन्न मंडलों के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

महिलाओं ने थानाध्यक्ष दुधारा को बांधी राखी

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। शुक्रवार को रक्षाबंधन के पर्व पर आपसी भाईचारे, सौहार्द और अटूट प्रेम की मिसाल पेश करते हुए दुधारा थाना परिसर में महिलाओं ने थानाध्यक्ष अमित कुमार कुशवाहा को रक्षाबंधन का पवित्र धागा बांधकर उनका आशीर्वाद लिये। यह कौमी एकता और सामाजिक सौहार्द का एक अनूठा उदाहरण बना। रक्षासूत्र बंधवाने के बाद थानाध्यक्ष अमित कुमार कुशवाहा ने बहनो की रक्षा करने का संकल्प दोहराया और उन्हें उपहार स्वरूप आशीर्वाद व शुभकामनाएं दीं। इस दौरान थाना परिसर में मौजूद अन्य पुलिसकर्मी भी इस भावनात्मक और प्रेरणादायक पल के गवाह बने। थानाध्यक्ष अमित कुमार कुशवाहा ने इस अवसर पर कहा कि यह पर्व जाति और धर्म की सीमाओं से परे होकर आपसी प्रेम, विश्वास और रक्षा के पवित्र बंधन का प्रतीक है। इस पहल से क्षेत्र में सकारात्मक संदेश गया है, जिसकी स्थानीय नागरिकों द्वारा भी भूरी-भूरी प्रशंसा की जा रही है।

डीजल चोरी के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार, 20 लीटर डीजल और प्लास्टिक पाइप बरामद

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। कोतवाली खलीलाबाद पुलिस ने ट्रक से डीजल चोरी के मामले का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से प्लास्टिक के गैलन में 20 लीटर डीजल और चोरी में इस्तेमाल की गई बोरी में रखा प्लास्टिक पाइप बरामद किया है। पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह के मार्गदर्शन और क्षेत्राधिकारी खलीलाबाद प्रियम राजशेखर पाण्डेय के पर्यवेक्षण में कार्रवाई की गई। प्रभारी निरीक्षक कोतवाली खलीलाबाद जय प्रकाश दूबे के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने दोनों आरोपियों को जिगना चौराहा के पास से गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान राहुल पासवान पुत्र नगीना पासवान, निवासी रामपुर कारखाना, पासी टोला वार्ड-1, जनपद देवरिया और बबलू उर्फ रामजतन पुत्र रामाधार, निवासी दुदही, थाना चौरी चौरा, जनपद गोरखपुर के रूप में हुई है।

पुलिस के अनुसार, वादी श्रवण सोनी निवासी मिश्रौलिया दुबार्सा, थाना पैकोलिया, जनपद बस्ती ने शिकायत दर्ज कराई थी कि वह कुशीनगर से ट्रक में सीमेंट लादकर आ रहा था। रात होने पर उसने भुजैनी चौराहे के पास सड़क किनारे ट्रक खड़ा कर दिया और सो गया। सुबह ट्रक से डीजल चोरी होने की जानकारी हुई। शिकायत के आधार पर कोतवाली खलीलाबाद में मुकदमा अपराध संख्या 794/2026 के तहत धारा 303(2) और 324(4) बीएनएस में मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस ने जांच के बाद दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी और बरामदगी के आधार पर मुकदमे में धारा 317(2) बीएनएस की बढ़ोतरी की गई है। पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है। पुलिस टीम की इस कार्रवाई से क्षेत्र में चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने की दिशा में महत्वपूर्ण सफलता मिली है। पुलिस का कहना है कि मामले की विवेचना जारी है और आरोपियों से पूछताछ के आधार पर घटना से जुड़े अन्य तथ्यों की भी जांच की जा रही है। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि आरोपियों ने इससे पहले इस तरह की किसी अन्य घटना को अंजाम दिया है या नहीं।

ऑपरेशन मजनू के तहत मेहदावल बायपास पर चला अभियान, बिना हेलमेट चालकों पर कार्रवाई

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। यातायात नियमों का पालन कराने और सड़क हादसों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से मेहदावल बायपास पर ऑपरेशन मजनू के तहत अभियान चलाया गया। ट्रैफिक इंस्पेक्टर परमहंस के नेतृत्व में चलाए गए अभियान के दौरान पुलिस टीम ने दर्जनों दोपहिया वाहन चालकों को बिना हेलमेट वाहन चलाते हुए पकड़ा। यातायात पुलिस ने नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए जुमार्ना लगाया और उन्हें भविष्य में यातायात नियमों का पालन करने की हिदायत देकर छोड़ा। ट्रैफिक इंस्पेक्टर परमहंस ने वाहन चालकों से अपील करते हुए कहा कि सड़क पर थोड़ी सी लापरवाही भी जिंदगी पर भारी पड़ सकती है। जीवन अनमोल है, इसलिए वाहन चलाते समय यातायात नियमों का पालन करना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि दोपहिया वाहन चालक स्वयं हेलमेट पहनें और पीछे बैठने वाले व्यक्ति को भी हेलमेट लगाने के लिए प्रेरित करें। यातायात पुलिस का अभियान आगे भी जारी रहने की बात कही गई।

रक्षाबंधन पर सपा प्रदेश सचिव रेहान खान ने बहनों से बंधवाई राखी, लिया आशीर्वाद और दिया सुरक्षा का वचन

वेलकम इंडिया/मोहम्मद असलम

लखीमपुर खीरी। भाई-बहन के अटूट प्रेम, स्नेह और अटूट विश्वास का पावन पर्व रक्षाबंधन जिले भर में अत्यंत हर्षोल्लास और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मनाया गया। इसी क्रम में समाजवादी पार्टी के प्रदेश सचिव रेहान खान के आवास पर भी रक्षाबंधन का पर्व बेहद सादगी, आत्मीयता और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। रक्षाबंधन के शुभ अवसर पर बहनों ने पूरे विधि-विधान के साथ रेहान खान की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधा। बहनों ने उनकी दीघार्यु, उत्तम स्वास्थ्य और उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए आरती उतारी, माथे पर तिलक लगाया और मिठाई खिलाकर मुंह मीठा कराया। इस दौरान सपा प्रदेश सचिव ने झुककर बड़ी बहनों और माताओं का आशीर्वाद लिया तथा छोटी बहनों को स्नेहपूर्वक उपहार भेंट किए। उन्होंने सभी बहनों को हर परिस्थिति में साथ खड़े रहने और उनकी सुरक्षा व सम्मान की रक्षा करने का संकल्प लिया।

इस भावुक और उल्लासपूर्ण मौके पर प्रदेश सचिव रेहान खान ने कहा कि रक्षाबंधन केवल एक धागा बांधने की रस्म नहीं है, बल्कि यह दो दिलों को आपस में जोड़ने वाला एक पवित्र व अटूट बंधन है। यह पर्व हमें बहनों के प्रति सम्मान, समर्पण और सामाजिक जिम्मेदारी का एहसास कराता है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में नारी का स्थान सर्वोपरि रहा है और समाज का वास्तविक विकास तभी संभव है जब हमारी बहनें और बेटियां स्वयं को पूरी तरह सुरक्षित, सशक्त और आत्मनिर्भर महसूस करें। रेहान खान ने जनपद वासियों सहित पूरे प्रदेश की बहनों के सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाल जीवन की मंगलकामना की। इस दौरान आवास पर परिवार के सदस्यों, समर्थकों और स्थानीय शुभचिंतकों की मौजूदगी रही, जिन्होंने एक-दूसरे को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं देकर सामाजिक सौहार्द की मिसाल पेश की।

गंगा-जमुनी तहजीब की मिसाल: डॉक्टर वैशाली 15 वर्षों से बांध रही हैं मुस्लिम भाई अशरफ को राखी

वेलकम इंडिया संवाददाता

टांडा। रक्षाबंधन सिर्फ धागा बांधने का त्योहार नहीं, भाई-बहन के रिश्ते को मजबूती देने वाला पर्व है। यह पर्व दो अलग-अलग धर्मों को भी एक सूत्र में पिरो देता है। शुक्रवार को भगतपुर-टांडा क्षेत्र में यही गंगा-जमुनी तहजीब देखने को मिली। पूर्व एबीआरसी डॉक्टर वैशाली मांगलिक ने ग्राम कोरवाकू निवासी अपने भाई अशरफ अली पाशा की कलाई पर राखी बांधी। अशरफ अली पाशा शिक्षामित्र संघ के ब्लॉक भगतपुर-टांडा के अध्यक्ष के साथ ही जिला महामंत्री भी हैं। डॉक्टर वैशाली पिछले करीब 15 साल से हर रक्षाबंधन पर उन्हें राखी बांध रही हैं। वर्तमान में कुंदरकी ब्लॉक के जूनियर हाईस्कूल में सहायक अध्यापिका डॉक्टर वैशाली जब भगतपुर-टांडा में एबीआरसी थीं, तभी दोनों के बीच भाई-बहन का रिश्ता बना। समय के साथ यह रिश्ता और गहरा होता गया। डॉक्टर वैशाली अशरफ अली को सगे भाई की तरह मानती हैं और अशरफ अली उन्हें सगी बहन। अशरफ अली पाशा ने बताया कि वह हर साल बहन वैशाली के साथ राखी का त्योहार मनाते हैं। उनकी राखी का प्यार मेरी कलाई पर हर साल सजता है। हम दोनों इस रिश्ते को सालों से निभा रहे हैं। राखी के धागे ने दो धर्मों को जोड़कर गंगा-जमुनी तहजीब की खूबसूरत मिसाल पेश की है।

जौहर यूनिवर्सिटी के 38 भवनों के ध्वस्तीकरण का जारी नोटिस तत्काल वापस लिया जाए: मो0 अरशद खान

शिक्षा के मंदिरों पर बुलडोजर नहीं, संविधान और कानून का राज चाहिए-30 अगस्त को जंतर-मंतर पर समाजवादी पार्टी का जोरदार धरना-प्रदर्शन

वेलकम इंडिया संवाददाता

नई दिल्ली। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व विधायक जौनपुर सदर मोहम्मद अरशद खान ने रामपुर स्थित मोहम्मद अली जौहर यूनिवर्सिटी के 38 भवनों के ध्वस्तीकरण के संबंध में जारी नोटिस को लेकर भाजपा सरकार और प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाते हुए कहा कि किसी शिक्षण संस्थान के भवनों को ध्वस्त करने की कार्रवाई केवल कानूनी प्रक्रिया की कसौटी पर ही नहीं, बल्कि संविधान, प्राकृतिक न्याय और विद्यार्थियों के भविष्य की कसौटी पर भी परखी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की बुनियाद ही विवादित, गलत या अपूर्ण तथ्यों पर आधारित है तो ऐसे नोटिस को तत्काल वापस लिया जाना चाहिए। सरकार और प्रशासन को पहले यह स्पष्ट करना होगा कि 38 भवनों को ध्वस्त करने की आवश्यकता क्यों पैदा हुई, इसके पीछे वास्तविक कानूनी आधार क्या है और क्या संबंधित पक्ष को अपना पक्ष रखने का पूरा और निष्पक्ष अवसर दिया गया है।

मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि भारत किसी व्यक्ति, दल या सरकार की मर्जी से नहीं, बल्कि संविधान से चलता है। संविधान का अनुच्छेद 14 समानता और कानून के समान संरक्षण की गारंटी देता है। अनुच्छेद 21 प्रत्येक व्यक्ति के जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की रक्षा करता है। प्रशासनिक कार्रवाई भी न्याय, निष्पक्षता और स्थापित कानूनी प्रक्रिया के सिद्धांतों के अनुरूप होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि बुलडोजर किसी विवाद का न्यायिक फैसला नहीं हो सकता। यदि कोई विवाद है तो अदालत और कानून तय करेंगे कि सही कौन है; प्रशासन का काम कानून लागू करना है, कानून से ऊपर जाकर फैसला सुनाना नहीं। उन्होंने कहा कि किसी भी संस्था या व्यक्ति के विरुद्ध कार्रवाई में चयनात्मकता, राजनीतिक प्रतिशोध अथवा भेदभाव की आशंका लोकतंत्र के लिए गंभीर चिंता का विषय है। इसलिए जौहर यूनिवर्सिटी के मामले में पूरी कार्रवाई सार्वजनिक जांच और पारदर्शिता के दायरे में लाई जानी चाहिए। यह 38 भवनों का सवाल नहीं, हजारों विद्यार्थियों के भविष्य का सवाल है।

सपा नेता ने कहा कि जौहर यूनिवर्सिटी केवल भवनों का नाम नहीं है। उसके परिसर में विद्यार्थियों की शिक्षा, शिक्षकों का रोजगार, कर्मचारियों की आजीविका और हजारों परिवारों की उम्मीदें जुड़ी हुई हैं। उन्होंने कहा कि अगर किसी विश्वविद्यालय के 38 भवनों पर

ध्वस्तीकरण की तलवार लटकती है तो इसका असर केवल दीवारों पर नहीं पड़ेगा, बल्कि विद्यार्थियों की कक्षाओं, शिक्षकों के रोजगार, शोध कार्य और पूरे शैक्षणिक वातावरण पर पड़ेगा। उन्होंने सरकार से सवाल किया कि यदि किसी कानूनी विवाद का समाधान संभव है तो विद्यार्थियों के भविष्य को संकट में डालने वाली इतनी कठोर कार्रवाई क्यों?

मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि जौहर यूनिवर्सिटी और मोहम्मद आजम खान से जुड़े मामलों ने देश के लोकतांत्रिक और संवैधानिक विमर्श के सामने एक बड़ा सवाल खड़ा किया है– क्या राजनीतिक मतभेदों के बावजूद संवैधानिक संस्थाएं निष्पक्ष रहेंगी? उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी की मांग बिल्कुल स्पष्ट है– कानून सबके लिए समान हो, कार्रवाई निष्पक्ष हो, प्राकृतिक न्याय का पालन हो और किसी को राजनीतिक विरोध की कीमत न चुकानी पड़े। यदि किसी के विरुद्ध अपराध या अनियमितता का ठोस मामला है तो कानून के अनुसार कार्रवाई होनी चाहिए, लेकिन कानूनी प्रक्रिया को राजनीतिक हथियार में बदलना लोकतंत्र के लिए खतरनाक है। मोहम्मद अरशद खान ने भाजपा सरकार से पूछा कि जौहर यूनिवर्सिटी के 38 भवनों के ध्वस्तीकरण का सटीक कानूनी आधार क्या है? क्या संबंधित पक्ष को प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत के अनुसार पर्याप्त अवसर दिया गया है? क्या इस कार्रवाई से पहले विद्यार्थियों, शिक्षकों और कर्मचारियों के भविष्य पर पड़ने वाले प्रभाव का कोई स्वतंत्र मूल्यांकन किया गया? यदि मामला न्यायिक अथवा वैधानिक प्रक्रिया में विचाराधीन है, तो अंतिम निर्णय से पहले ध्वस्तीकरण जैसी कठोर कार्रवाई क्यों? क्या सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि कानून का इस्तेमाल किसी राजनीतिक विरोधी को निशाना बनाने के लिए नहीं होगा?

उन्होंने कहा कि इन सवालों का जवाब उत्तर प्रदेश और केंद्र सरकार को देश की जनता के सामने देना चाहिए। मोहम्मद अरशद खान ने बताया कि 30 अगस्त 2026 को नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर समाजवादी पार्टी द्वारा विशाल धरना-प्रदर्शन आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह प्रदर्शन केवल जौहर यूनिवर्सिटी के 38 भवनों को बचाने का आंदोलन नहीं है, बल्कि कि संविधान की सर्वोच्चता, कानून के शासन, शिक्षा के अधिकार, प्राकृतिक न्याय और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा की आवाज है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता और समर्थक शांतिपूर्ण एवं संवैधानिक तरीके से सरकार से जवाब मांगेंगे। अखिलेश यादव के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी संविधान की लड़ाई जारी रखेगी। मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के नेतृत्व में पार्टी हमेशा संविधान, लोकतंत्र, सामाजिक न्याय और कमजोर वर्गों के अधिकारों की लड़ाई लड़ती रही है और आगे भी लड़ती रहेगी। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी सत्ता के अहंकार के सामने जनता की आवाज को दबने नहीं देगी। हम सरकार से टकराव नहीं चाहते, लेकिन संविधान से समझौता भी नहीं करेंगे। हम कानून का सम्मान करते हैं और सरकार से भी कानून का सम्मान करने की अपेक्षा करते हैं।

सपा नेता ने कहा कि मोहम्मद आजम खान और अब्दुल्ला आजम खान से जुड़े मामलों में भी समाजवादी पार्टी की मांग यही है कि हर मामले की निष्पक्ष और पारदर्शी कानूनी प्रक्रिया के तहत समीक्षा हो तथा किसी भी व्यक्ति के साथ राजनीतिक प्रतिशोध की भावना से कार्रवाई न हो। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में राजनीतिक विरोध अपराध नहीं है और सरकार की आलोचना करने वाला व्यक्ति संविधान द्वारा प्रदत्त अधिकारों से वंचित नहीं किया जा सकता।

रक्षाबंधन पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम, एसपी ने किया भ्रमण

वेलकम इंडिया संवाददाता

पीलीभीत। रक्षाबंधन पर्व को सकुशल, शांतिपूर्ण और सुरक्षित माहौल में संपन्न कराने के लिए जनपद पुलिस पूरी तरह अलर्ट नजर आई। शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक पीलीभीत ने शहर क्षेत्र का भ्रमण कर सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था का जायजा लिया।इस दौरान उन्होंने प्रमुख बाजारों, चौराहों, भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों और मुख्य मार्गों पर पहुंचकर पुलिस व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया तथा ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों और कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।एसपी ने रक्षाबंधन के अवसर पर बाजारों में उमड़ने वाली भीड़ को देखते हुए पुलिस बल को सतर्कता और मुस्तैदी के साथ ड्यूटी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी पुलिसकर्मी अपने निर्धारित ड्यूटी प्वाइंट पर मौजूद रहकर सुरक्षा व्यवस्था को प्रभावी बनाए रखें और किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि पर तत्काल कार्रवाई करें।पुलिस अधीक्षक ने जनपद के सभी क्षेत्राधिकारियों को अपने-अपने सर्किल क्षेत्रों में लगातार भ्रमणशील रहने के निर्देश दिए। साथ ही प्रमुख बाजारों, संवेदनशील स्थानों और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों की नियमित निगरानी करने तथा आवश्यकता पड़ने पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात करने को कहा गया।

वहीं सभी प्रभारी निरीक्षकों और थाना प्रभारियों को अपने थाना क्षेत्रों में लगातार गश्त करने, संदिग्ध व्यक्तियों एवं वस्तुओं की चेकिंग कराने तथा पुलिस कर्मियों की ड्यूटी का नियमित निरीक्षण करने के निर्देश दिए गए। महिला सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए प्रमुख बाजारों, सार्वजनिक स्थलों और महिला बाजारों में महिला पुलिसकर्मियों एवं एंटी रोमियो टीमों की सक्रिय तैनाती सुनिश्चित की गई है।

यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए प्रमुख चौराहों और बाजारों में यातायात पुलिस के साथ स्थानीय पुलिस को भी तैनात किया गया है। पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि किसी भी स्थान पर जाम की स्थिति उत्पन्न न होने दें और वाहनों की आवाजाही को व्यवस्थित बनाए रखें। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि रक्षाबंधन पर्व के दौरान किसी भी संदिग्ध गतिविधि, अप्रिय घटना अथवा सूचना पर तत्काल मौके पर पहुंचकर प्रभावी कार्रवाई की जाएगी। जनपद पुलिस लगातार भ्रमणशील रहकर सुरक्षा व्यवस्था पर पैनी नजर बनाए हुए है, ताकि पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराया जा सके।

दहाड़ते हुए सड़क किनारे बैठा दिखा तेंदुआ, बाइक सवार ने बनाया वीडियो किया वायरल

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। थाना क्षेत्र में तेंदुए की दहशत लगातार बनी हुई है। बुधवार देर रात गढ़वाखेड़ा से महुआ गुंदे जाने वाले मार्ग पर सड़क किनारे एक तेंदुआ बैठा दिखाई देने से ग्रामीणों और राहगीरों में खलबली मच गई। इसी दौरान मार्ग से गुजर रहे एक बाइक सवार की नजर तेंदुए पर पड़ गई। उसने बाइक रोककर सुरक्षित दूरी बनाए रखी और मोबाइल से तेंदुए का वीडियो बना लिया। वीडियो में तेंदुआ सड़क किनारे बैठा नजर आ रहा है और दहाड़ता हुआ दिखाई दे रहा है। वीडियो इंटरनेट मीडिया पर तेजी से प्रसारित हो रहा है।बताया जा रहा है कि रात के समय बाइक सवार गढ़वाखेड़ा से महुआ गुंदे की ओर जा रहा था। इसी दौरान सड़क किनारे बैठे तेंदुए को देखकर वह सहम गया। तेंदुए की गतिविधियों पर नजर रखते हुए उसने

काफी दूरी से उसका वीडियो बनाया। इसके बाद बिना तेंदुए के करीब गए वह वहां से सुरक्षित निकल गया। वीडियो सामने आने के बाद आसपास के गांवों में तेंदुए को लेकर डर और बढ़ गया है।ग्रामीणों का कहना है कि इस मार्ग से रात के समय भी लोगों का आवागमन रहता है। खेतों में काम करने वाले ग्रामीणों तथा बाइक सवारों को भी इसी रास्ते से गुजरना पड़ता है। ऐसे में सड़क किनारे तेंदुए की मौजूदगी किसी बड़ी घटना का कारण बन सकती है। ग्रामीणों ने वन विभाग से क्षेत्र में गश्त बढ़ाने और तेंदुए की गतिविधियों पर नजर रखने की मांग की है।इससे पहले थाना क्षेत्र के कजरी निरंजनपुर गांव में खेत में भूसा भरने वाले गूंगे पर तेंदुआ बैठा दिखाई दिया था। उस घटना का वीडियो भी इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हुआ था। सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की थी और ग्रामीणों को सतर्क रहने की सलाह दी थी।गढ़वाखेड़ा- महुआ गुंदे मार्ग पर दोबारा तेंदुआ दिखाई देने से ग्रामीणों की चिंता बढ़ गई है। लोगों ने वन विभाग से तेंदुए की निगरानी के लिए प्रभावी कदम उठाने की मांग की है। वन विभाग की ओर से लोगों को सलाह दी जाती है कि तेंदुआ दिखाई देने पर उसके पास न जाएं, उसे घेरने या पीछा करने का प्रयास न करें और तत्काल संबंधित विभाग को सूचना दें।

स्टेशन जा रहे व्यक्ति से मारपीट, अंगुली तोड़ने का लगाया आरोप

वेलकम इंडिया/मोहसिन रहमानी

कांधला। थाना क्षेत्र के कस्बा एलम निवासी व्यक्ति ने थाने में तहरीर देकर कस्बे के कुछ युवकों पर रास्ता रोककर मारपीट करने और कपड़े फाड़ने का आरोप लगाया है। पुलिस ने मेडिकल परीक्षण करने के बाद कार्रवाई शुरू कर दी है। शुक्रवार को थाना क्षेत्र के कस्बे एलम निवासी जगपाल ने बताया कि वह नगर पंचायत में सभासद है पीड़ित दिल्ली से ट्रेन से आ रहे अपने बेटे को लेने रेलवे स्टेशन जा रहा था। इसी दौरान रास्ते में कई युवकों ने नशे की हालत में उसका रास्ता रोक लिया और उसके साथ मारपीट की। आरोप है कि मारपीट में उसके दायें हाथ की अंगुली टूट गई और आरोपियों ने उसके कपड़े भी फाड़ दिए, पीड़ित सभासद ने ने बताया कि वह जान बचाकर वहां से भागा तो आरोपियों ने घर की छत से उसके ऊपर ईंट-पत्थर भी बरसाए। पीड़ित ने भविष्य में भी आरोपियों से जान का खतरा जताते हुए पुलिस से चिकित्सकीय परीक्षण कराने और आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने घायल सभासद का मेडिकल परीक्षण कराने के बाद कार्रवाई का आश्वासन देकर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

भाई की कलाई पर राखी, बहन की आंखों में दिखा प्यार

सात समंदर पार भी पहुंचा राखी का प्यार वीडियो कॉल के जरिए बहनों ने भाइयों संग मनाया पर्व

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। समय बदला, तकनीक बदली और रिश्तों को निभाने के तरीके भी बदल गए, लेकिन भाई-बहन के पवित्र रिश्ते में आज भी वही अपनापन और स्नेह बरकरार है। शुक्रवार को रक्षाबंधन का पर्व क्षेत्रभर में उत्साह, उमंग और भावुकता के साथ मनाया गया। सुबह से ही घरों में त्योहार की तैयारियां शुरू हो गईं। बहनों ने पूजा की थाली सजाकर भाइयों का तिलक किया और उनकी दाहिनी कलाई पर रक्षासूत्र बांधकर सुख, समृद्धि और दीर्घायु की कामना की। भाइयों ने भी बहनों की रक्षा और हर सुख-दुख में साथ खड़े रहने का संकल्प लिया। रक्षाबंधन को लेकर कस्बे के बाजारों में भी काफी चहल-पहल रही। रंग-बिरंगी और आकर्षक राखियों से सजी दुकानों पर सुबह से ही खरीदारी के लिए लोगों की भीड़ उमड़ती रही। इस बार पारंपरिक राखियों के साथ कस्टमाइज्ड ब्रेसलेट, चांदी की राखियां, रुद्राक्ष वाली राखियां और आकर्षक डिजाइन वाली राखियां लोगों की पसंद बनीं। बच्चों में कार्टून कैरेक्टर और विभिन्न रंगों की राखियों को लेकर खास उत्साह देखने को मिला।नौकरी, कारोबार या अन्य कारणों से घर से दूर रहने वाली बहनों ने भी तकनीक के सहारे त्योहार की खुशियां परिवार के साथ साझा कीं। वीडियो कॉल के माध्यम से भाइयों को राखी बांधने की रस्म निभाई गई। कई परिवारों में ऑनलाइन बातचीत के दौरान ही आरती और शुभकामनाओं का सिलसिला चला। इससे दूरियां कम होती नजर आईं और डिजिटल दौर में भी रिश्तों की गर्माहट महसूस हुई।रक्षाबंधन के चलते मिठाई की दुकानों पर भी खूब भीड़ रही। घेवर, काजू कतली, रसगुल्ले, बर्फी और अन्य मिठाइयों की जमकर खरीदारी हुई। बहनों ने भाइयों के लिए राखी और मिठाई खरीदी तो भाइयों ने भी बहनों को उनकी पसंद के उपहार दिए। कहीं कपड़े, कहीं आभूषण तो कहीं गैजेट और आकर्षक गिफ्ट हैंपर्स भेंट किए गए।राखी बांधने के बाद भाई-बहनों ने एक-दूसरे का मुंह मीठा कराया और पुरानी यादों को ताजा किया। कई परिवारों में लंबे समय बाद भाई-बहनों के एक साथ जुटने से घरों में खुशियों का माहौल रहा। रक्षाबंधन ने एक बार फिर यह संदेश दिया कि आधुनिकता और डिजिटल दौर चाहे कितना भी आगे बढ़ जाए, भाई-बहन के रिश्ते में छिपा प्रेम, विश्वास और अपनापन कभी पुराना नहीं होता।

लूट की झूठी सूचना देकर पुलिस को किया गुमराह, दो गिरफ्तार

वेलकम इंडिया/मोहसिन रहमानी

कांधला। कस्बे के मोहल्ला शेखजादगान में बाइक लूट की झूठी सूचना देकर पुलिस को गुमराह करने के मामले में पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई करते हुए शुक्रवार को चालान कर दिया है। थाना प्रभारी निरीक्षक बच्चू सिंह ने बताया कि डायल 112 पर सूचना मिली थी कि मोहल्ला शेखजादगान में बाइक लूट ली गई है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची तो जांच में मामला रुपये के लेनदेन का निकला। पुलिस ने मौके से सोमपाल सैनी और दूसरे पक्ष के सुनील को हिरासत में में ले लिया, पुलिस पूछताछ में दोनों ने बताया कि बाइक लूट नहीं हुई है और दोनों का रूपयों की लेनदेन का मामला है। पुलिस ने पूछताछ के बाद दोनों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई करते हुए उनका चालान कर दिया हैं।

बाढ़ राहत की नाव ही हो गई चोरी प्रशासन की दी नाव गायब, ग्राम प्रधानों ने थाने में दी तहरीर

वेलकम इंडिया संवाददाता

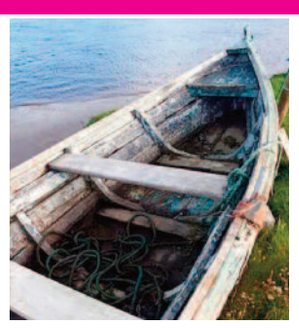

पूरनपुर/हजारा, पीलीभीत। बरसात के मौसम में बाढ़ की संभावित स्थिति से निपटने के लिए प्रशासन की ओर से उपलब्ध कराई गई राहत नाव चोरी होने का मामला सामने आया है। नाव के गायब होने से ग्रामीणों में चिंता का माहौल है। मामले में शास्त्रीनगर और भरतपुर ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधानों ने थाना हजारा में तहरीर देकर अज्ञात चोरों के खिलाफ कार्रवाई और नाव बरामद किए जाने की मांग की है।जानकारी के अनुसार, ग्राम शास्त्रीनगर के ग्राम प्रधान मनोज सिंह और ग्राम भरतपुर के ग्राम प्रधान शमशेर आलम ने बताया कि ट्रांस शारदा क्षेत्र में बरसात के दौरान बाढ़ और जलभराव की स्थिति को देखते हुए प्रशासन की ओर से ग्रामीणों की सहायता तथा राहत-बचाव कार्यों के लिए नाव उपलब्ध कराई गई थी। संबंधित नाव को क्षेत्र के एक नाले के पास सुरक्षित स्थान पर रखा गया था।बताया गया कि बीते दिनों अज्ञात लोग वहां से नाव चोरी कर ले गए। नाव गायब होने की जानकारी मिलने के बाद ग्रामीणों और संबंधित लोगों ने आसपास के इलाके में काफी खोजबीन की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिल सका। इसके बाद ग्राम प्रधानों ने पुलिस को मामले की जानकारी देते हुए कार्रवाई की मांग की। ट्रांस शारदा क्षेत्र में बारिश के दौरान शारदा नदी का जलस्तर बढ़ने और बाढ़ व जलभराव की स्थिति उत्पन्न होने की आशंका बनी रहती है। ऐसे में राहत कार्यों के लिए उपलब्ध कराई गई नाव का चोरी होना ग्रामीणों के लिए गंभीर चिंता का विषय है। आपात स्थिति में इसी नाव के माध्यम से लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने और राहत सामग्री पहुंचाने में मदद मिलनी थी। ग्राम प्रधानों का कहना है कि नाव किसी व्यक्ति की निजी संपत्ति नहीं, बल्कि बाढ़ राहत व्यवस्था का महत्वपूर्ण साधन थी। इसके चोरी होने से जरूरत पड़ने पर ग्रामीणों को दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है।काफी खोजबीन के बाद भी नाव का पता न चलने पर ग्राम प्रधान मनोज सिंह और शमशेर आलम ने थाना हजारा में तहरीर दी। उन्होंने पुलिस से अज्ञात चोरों की पहचान कर नाव बरामद करने और दोषियों के खिलाफ विधिक कार्रवाई किए जाने की मांग की है। अब पुलिस जांच के बाद ही स्पष्ट होगा कि नाव कहां गई और चोरी की घटना में कौन लोग शामिल हैं।

बिजली के पोल में उतरा करंट, कटिया की मौत

वेलकम इंडिया/मोहसिन रहमानी

कांधला। कस्बे के मोहल्ला रायजादगान में बिजली के पोल में करंट उतरने से एक कटिया की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद पशु मालिक के परिवार में रोष है। परिजनों ने विद्युत विभाग से पोल में करंट उतरने की समस्या की जांच कर तत्काल दुरुस्त कराने की मांग की है। कस्बे के मोहल्ला रायजादगान निवासी सादा मिस्त्री की कटिया शुक्रवार को क्षेत्र में घूमते हुए चारा खा रही थी। इसी दौरान वह बिजली के पोल की चपेट में आ गई। पोल में करंट उतरने के कारण कटिया को जोरदार बिजली का झटका लगा और उसने मौके पर ही तड़पकर दम तोड़ दिया। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। कटिया के मालिक के पुत्र नवाजिश ने बताया कि हादसे में उनके परिवार को हजारों रुपये का नुकसान हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि इससे पहले भी इसी स्थान पर बिजली का करंट लगने से एक बकरी और एक आवारा कुत्ते की मौत हो चुकी है। इसके बावजूद विद्युत विभाग की ओर से समस्या का स्थायी समाधान नहीं कराया गया। मोहल्ले के अन्य लोगों ने विद्युत विभाग के अधिकारियों से बिजली के पोल और विद्युत लाइन को दुरुस्त कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि समय रहते समस्या का समाधान नहीं किया गया तो भविष्य में किसी व्यक्ति या पशु के साथ बड़ा हादसा हो सकता है।

भाई-बहन के पवित्र रिश्ते का पर्व बना यादगार जितिन प्रसाद ने बहनों से राखी बंधवाकर भेंट किए उपहार

वेलकम इंडिया/मीनू बरकाती

पीलीभीत। रक्षाबंधन के पावन पर्व पर भारतीय जनता पार्टी के जिला कार्यालय में शुक्रवार को भाई-बहन के स्नेह और विश्वास का अनूठा संगम देखने को मिला। जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचीं बहनों ने केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद की कलाई पर राखी बांधकर रक्षाबंधन का पर्व मनाया। इस दौरान भाजपा कार्यालय परिसर में उत्साह और आत्मीयता का माहौल रहा।कार्यक्रम में जनपद के अलग-अलग क्षेत्रों से बड़ी संख्या में बहनें एकत्रित हुईं। उन्होंने केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद की कलाई पर राखी बांधकर भाई-बहन के पवित्र रिश्ते को मजबूत करने का संदेश दिया। राखी बंधवाने के बाद केंद्रीय मंत्री ने सभी बहनों को उपहार भेंट किए और रक्षाबंधन की शुभकामनाएं प्रेषित कीं। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन भाई-बहन के प्रेम, विश्वास और सुरक्षा के संकल्प का पर्व है। यह पर्व समाज में आपसी स्नेह और भाईचारे की भावना को मजबूत करता है।

कार्यक्रम के दौरान बहनों ने केंद्रीय मंत्री के साथ आत्मीयता से संवाद भी किया। भाजपा कार्यकताओं और पदाधिकारियों ने कार्यक्रम में पहुंचने वाली बहनों का स्वागत किया। पूरे आयोजन में पारिवारिक और सौहार्दपूर्ण वातावरण नजर आया।इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष गोकुल प्रसाद मौर्य, पूर्व जिलाध्यक्ष संजीव प्रताप सिंह, जिला महामंत्री महादेव गाईन, जिला उपाध्यक्ष रेखा सिंह परिहार, आयुष मिश्रा, अतिंदर पाल सिंह, जिला मंत्री ऋचा सिंह पटेल, पंकजा तिवारी, सत्यपाल वर्मा, जिला मीडिया प्रभारी अभिमन्यु गंगवार, जिला आईटी संयोजक हरिओम शर्मा, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष गीता मिश्रा, जिला सह मीडिया प्रभारी दीपक सोनकर, शशि बाला कटियार, नगर अध्यक्ष इन्द्रेश चौहान, देव स्वरूप पटेल, अंशुमन तिवारी, अमनदीप मिश्रा, सुधीर चौधरी, अकलीम अहमद मलिक, शीतल रावत, ममता श्रीवास्तव और हेमराज दिवाकर समेत बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता और जनपद की बहनें मौजूद रहीं।

पत्रकारों से अभद्रता करने वाला पुलिसकर्मी निलंबित, विभागीय जांच शुरू

कवरेज करने पहुंचे पत्रकारों से गाली-गलौज और हाथापाई का आरोप, कार्रवाई की मांग पर पत्रकारों ने दिया धरना

वेलकम इंडिया/मोहसिन रहमानी

कांधला। थाना परिसर के बाहर बाइक लूट की सूचना पर कवरेज करने पहुंचे तीन पत्रकारों के साथ एक पुलिसकर्मी द्वारा कथित तौर पर शराब के नशे में गाली-गलौज और हाथापाई करने का मामला सामने आया है। घटना के बाद मौके पर अन्य पत्रकार भी पहुंच गए और आरोपी पुलिसकर्मी के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर धरने पर बैठ गए। थाना प्रभारी निरीक्षक बच्चू सिंह ने उच्चाधिकारियों से वार्ता के बाद आरोपी पुलिसकर्मी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। उसके खिलाफ विभागीय जांच भी शुरू कर दी गई है।गुरुवार देर शाम कस्बे के पत्रकारों को क्षेत्र में बाइक लूट की सूचना मिली थी। कस्बे के तीन पत्रकार खबर की कवरेज के लिए थाना परिसर के बाहर पहुंचे। आरोप है कि वहां मौजूद पुलिसकर्मी नरेश कुमार ने शराब के नशे में उनके साथ अभद्रता शुरू कर दी। विरोध करने पर गाली-गलौज करते हुए हाथापाई की गई। शोर-शराबा होने पर पुलिसकर्मी और अन्य लोग मौके पर पहुंच गए।घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में पत्रकार भी थाने पहुंच गए। पत्रकारों ने आरोपी पुलिसकर्मी के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए धरना शुरू कर दिया। थाना प्रभारी निरीक्षक बच्चू सिंह और पुलिसकर्मियों ने पत्रकारों को समझाने का प्रयास किया। बाद में उच्चाधिकारियों से वार्ता कर आरोपी पुलिसकर्मी नरेश कुमार को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया और विभागीय जांच के आदेश दिए गए। पत्रकारों ने थाना प्रभारी को शिकायती पत्र सौंपकर आरोपी पुलिसकर्मी के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की भी मांग की है।

पूर्व में भी पुलिसकर्मियों पर लग चुके हैं गंभीर आरोप

कांधला। थाना परिसर के पुलिसकर्मियों का विवादों में आना कोई पहला मामला नहीं है। पिछले करीब एक माह के दौरान थाना स्तर पर तैनात कुछ पुलिसकर्मियों पर गंभीर आरोप लग चुके हैं। इससे पुलिस विभाग की कार्यप्रणाली और छवि पर भी सवाल उठे हैं। पूर्व में थाने के हेड मोहर्रिर अमित यादव पर मालखाने से पिसटल, कारतूस और मादक पदार्थ चोरी कर बेचने के आरोप है। पुलिस जांच में मामले का खुलासा होने के बाद कार्रवाई की गई थी। वहीं, थाने पर तैनात रहे अजय कुमार का एक व्यापारी के साथ गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने का कथित ऑडियो भी वायरल हुआ था। इसके अलावा पूर्व में भी कुछ पुलिसकर्मियों के शराब पीने के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के मामले सामने आ चुके हैं। अब गुरुवार देर शाम पुलिसकर्मी नरेश कुमार पर पत्रकारों के साथ अभद्रता और हाथापाई का आरोप लगा है। पुलिसकर्मी के निलंबन के बाद विभागीय जांच शुरू हो गई है। अब देखना है कि जांच के बाद आरोपी पुलिसकर्मी के खिलाफ विभाग की ओर से आगे क्या कार्रवाई की जाती है।

रक्षाबंधन पर सजा दंगल, सपा नेता सतेन्द्र मौर्य ने किया उद्घाटन

वेलकम इंडिया संवाददाता

पीलीभीत। रक्षाबंधन पर्व के अवसर पर 127 विधानसभा पीलीभीत क्षेत्र के ग्राम दहगला में आयोजित दंगल का समाजवादी पार्टी के प्रदेश सचिव पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ सतेन्द्र मौर्य ने फीता काटकर उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने अखाड़े में पहुंचे पहलवानों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें प्रोत्साहित किया और आयोजन में सहयोग भी प्रदान किया। दंगल में आसपास के कई गांवों से बड़ी संख्या में पहलवानों ने पहुंचकर अपने कुश्ती कौशल का प्रदर्शन किया। पहलवानों के बीच हुए रोमांचक मुकाबलों को देखने के लिए दहगला सहित आसपास के गांवों से हजारों की संख्या में ग्रामीण पहुंचे। कुश्ती के दौरान पहलवानों ने अपने दांव-पेच दिखाकर दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं। अखाड़े में मुकाबलों के दौरान उत्साह और जोश का माहौल बना रहा।इस अवसर पर सतेन्द्र मौर्य ने कहा कि कुश्ती भारत का सबसे प्राचीन और पारंपरिक खेल है। ग्रामीण क्षेत्रों में दंगल जैसी प्रतियोगिताएं युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर प्रदान करती हैं। उन्होंने कहा कि खेलों से युवाओं में अनुशासन, आत्मविश्वास और शारीरिक क्षमता का विकास होता है। ऐसे आयोजनों को बढ़ावा देने से ग्रामीण क्षेत्र की खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा।उन्होंने दंगल में भाग लेने वाले सभी पहलवानों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। साथ ही आयोजन समिति के सदस्यों और ग्रामीणों को सफल आयोजन के लिए बधाई दी।दंगल कमेटी के पदाधिकारियों, ग्राम प्रधान, क्षेत्र पंचायत सदस्य सहित आसपास के कई गांवों के सम्मानित ग्रामीण मौजूद रहे। कार्यक्रम में पहुंचे सतेन्द्र मौर्य ने सभी लोगों का अभिवादन किया और रक्षाबंधन पर्व की शुभकामनाएं दीं। ग्रामीणों ने भी दंगल के आयोजन की सराहना करते हुए इसे पारंपरिक खेल और ग्रामीण संस्कृति को जीवंत रखने वाला आयोजन बताया।

बाइक की टक्कर का विरोध करने पर युवक से मारपीट

वेलकम इंडिया/मोहसिन रहमानी

कांधला। कस्बे के मोहल्ला खेल निवासी मोहम्मद उमर ने बाइक सवार युवक और उसके तीन साथियों पर मारपीट करने का आरोप लगाते हुए थाने में तहरीर दी है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।पीड़ित ने बताया कि वह रिश्तेदारी में अपने मामा के यहां आया हुआ है। शुक्रवार को वह बाइक से मोबाइल ठीक कराने के लिए बाजार जा रहा था। इसी दौरान विपरीत दिशा से आ रहे एक बाइक सवार ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी, जिससे वह सड़क पर गिर गया। विरोध करने पर आरोपी ने अपने तीन अन्य साथियों को मौके पर बुला लिया और उसके साथ मारपीट कर घायल कर दिया। शोर-शराबा होने पर आरोपी मौके से फरार हो गए। पीड़ित ने पुलिस से आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

वाराणसी में यंग प्रोफेशनल्स राउंडटेबल, युवाओं ने साझा किए विकसित भारत के लिए विचार

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। युवाओं में नेतृत्व क्षमता, नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने तथा उन्हें विकसित भारत 2047 के संकल्प से जोड़ने के उद्देश्य से विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग 2026 के तहत यंग प्रोफेशनल्स राउंडटेबल का आयोजन संत अतुलानंद कॉन्वेंट स्कूल, कोइराजपुर में किया गया। कार्यक्रम की थीम 'इनोवेशन विद ट्रेडिशन : बिल्डिंग ए मॉडर्न भारत' रही। कार्यक्रम का आयोजन युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार, मेरा भारत (माय भारत), यंग इंडियंस (वाईआई) और भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के सहयोग से किया गया। इसमें युवा प्रोफेशनल्स, उद्यमियों, शिक्षाविदों और विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े युवाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिका, नेतृत्व, नवाचार और उद्यमिता को लेकर सार्थक संवाद हुआ। कार्यक्रम में यंग इंडियंस की महत्वपूर्ण सहभागिता रही। यंग इंडियंस के चेयर हर्ष जैन, को-चेयर अविनव पेशवानी और पास्ट चेयर धवल प्रकाश ने युवाओं को नेतृत्व, नवाचार, उद्यमिता और सामाजिक उत्तरदायित्व के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण पैनल चर्चा रही, जिसमें चिराग माहेश्वरी, कौशिव अग्रवाल और शैला धनुका ने पैनलिस्ट के रूप में भाग लिया। पैनलिस्टों ने युवाओं के साथ संवाद करते हुए आधुनिक भारत के निर्माण, तकनीक, उद्यमिता, शिक्षा और सामाजिक विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर विचार साझा किए।

चिराग माहेश्वरी ने पारंपरिक हस्तशिल्प को आधुनिक डिजाइन और वैश्विक बाजार से जोड़ने की संभावनाओं पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि भारतीय परंपरा और संस्कृति को आधुनिक सोच के साथ जोड़कर युवाओं के लिए नए आर्थिक और व्यावसायिक अवसर तैयार किए जा सकते हैं। कौशिव अग्रवाल ने उन्नत तकनीक और सतत विकास आधारित समाधानों पर अपने विचार रखे। उन्होंने भारतीय उद्योगों को मजबूत बनाने और भारत को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने में युवाओं की भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने युवाओं से तकनीकी ज्ञान और नवाचार का उपयोग देश के विकास के लिए करने का आह्वान किया। वहीं, शैला धनुका ने बाल सुरक्षा, डिजिटल जागरूकता और शिक्षा में नवाचार जैसे विषयों पर चर्चा की। उन्होंने युवाओं को डिजिटल माध्यमों के जिम्मेदार उपयोग, सकारात्मक सोच तथा शिक्षा के क्षेत्र में नई तकनीक और नवाचार अपनाने के लिए प्रेरित किया।

पैनल चर्चा के दौरान 'यंग माइंड्स, बोल्ड आइडियाज, स्ट्रॉन्गर भारत' की भावना के अनुरूप युवाओं को अपने विचार खुलकर रखने का अवसर मिला। प्रतिभागियों ने विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को लेकर अपने सुझाव और अनुभव साझा किए तथा देश के भविष्य के लिए नए समाधान प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में इस बात पर विशेष जोर दिया गया कि भारत की समृद्ध सांस्कृतिक और पारंपरिक विरासत को संरक्षित रखते हुए आधुनिक तकनीक, नवाचार और नई सोच को अपनाकर आधुनिक, आत्मनिर्भर और विकसित भारत का निर्माण किया जा सकता है। युवाओं को अपनी जड़ों और परंपराओं से जुड़े रहते हुए वैश्विक स्तर की सोच विकसित करने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान युवा नेतृत्व, उद्यमिता, नवाचार, तकनीक, सतत विकास, डिजिटल जागरूकता, शिक्षा और सामाजिक उत्तरदायित्व जैसे विषयों पर भी विचार-विमर्श हुआ। प्रतिभागियों ने अपने-अपने क्षेत्रों में सकारात्मक बदलाव लाने और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान देने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। वक्ताओं ने कहा कि भारत की युवा शक्ति देश की सबसे बड़ी ताकत है।

राखी के पावन पर्व पर मिसेज एशिया विजयता सचदेवा ने भाई की कलाई पर बांधी राखी, रिश्तों की डोर को बताया सबसे मजबूत

वेलकम इंडिया संवाददाता

वाराणसी। रक्षाबंधन के पावन पर्व पर शुक्रवार को मिसेज एशिया विजयता सचदेवा ने अपने भाई की कलाई पर प्रेम और स्नेह की राखी बांधकर भाई-बहन के अटूट रिश्ते को और मजबूत किया। इस अवसर पर उन्होंने भाई का तिलक कर मिठाई खिलाई और उसकी सुख-समृद्धि, दीर्घायु एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

विजयता सचदेवा ने कहा कि राखी केवल कलाई पर बंधा धागा नहीं, बल्कि भाई-बहन के बीच जीवनभर के प्रेम, विश्वास और अपनत्व का प्रतीक है। बचपन की नोकझोंक, हंसी-मजाक और साथ बिताए पल उम्र बढ़ने के साथ और भी अनमोल हो जाते हैं। उन्होंने अपने भाई के लिए भावुक संदेश देते हुए कहा, ह्लमेरी राखी के इस धागे में सिर्फ स्नेह नहीं, बल्कि तुम्हारी लंबी उम्र, अच्छे स्वास्थ्य, खुशहाल जीवन और हर कदम पर सफलता की दुआ बंधी है। भगवान तुम्हें हमेशा खुश और सुरक्षित रखें। हमारा यह रिश्ता हमेशा प्यार और विश्वास से यूं ही मजबूत बना रहे। उन्होंने कहा कि आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में त्योहार परिवार और रिश्तों को करीब लाने का अवसर देते हैं। रक्षाबंधन भाई-बहन के प्रेम के साथ-साथ परिवार की एकता, संस्कार और आपसी विश्वास का भी पर्व है। इस अवसर पर विजयता सचदेवा ने देश-प्रदेश के सभी भाई-बहनों को रक्षाबंधन की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हर भाई-बहन के जीवन में प्रेम, खुशियां और समृद्धि बनी रहे तथा उनके बीच प्यार की यह पवित्र डोर हमेशा अटूट रहे।

रक्षाबंधन पर दिनभर बिजली गुल, लाइनमैन पर पैसे मांगने का आरोप

विजय द्विवेदी/वेलकम इंडिया

प्रतापगढ़। लालगंज तहसील क्षेत्र में रक्षाबंधन के दिन बिजली व्यवस्था की बदहाली से ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। सुबह से गुल हुई बिजली शाम तक बहाल नहीं हो सकी। परेशान उपभोक्ताओं ने जब बिजली विभाग के कर्मचारियों से संपर्क करने का प्रयास किया तो अव्यवस्था और लापरवाही के आरोप सामने आए। जानकारी के अनुसार, लालगंज विद्युत उपकेंद्र से जुड़े पूरे रूप, पूरे घनश्याम, पूरे निर्मल, गिरधर सहित कई गांवों में सुबह से बिजली आपूर्ति बाधित रही। ग्रामीणों ने काफी देर तक बिजली आने का इंतजार किया। करीब चार बजे तक आपूर्ति बहाल नहीं होने पर उपभोक्ताओं ने लालगंज पावर हाउस पर फोन करना शुरू किया, लेकिन आरोप है कि कई बार फोन करने के बावजूद किसी कर्मचारी ने कॉल रिसीव नहीं की। बिजली समस्या को लेकर जब उपभोक्ताओं ने संबंधित जेई से संपर्क करने का प्रयास किया तो उनका मोबाइल नंबर बंद मिला। इसके बाद ग्रामीणों ने लाइनमैन किशन से संपर्क किया। आरोप है कि लाइनमैन ने उपभोक्ताओं से कहा कि वह फिलहाल उपलब्ध नहीं है। यदि बिजली जल्द ठीक करानी है तो कुछ खर्च की व्यवस्था करनी होगी, जिसके बाद निजी कर्मचारी भेजकर लाइन ठीक करा दी जाएगी। ग्रामीणों के मुताबिक, लाइनमैन ने यह भी कहा कि यदि पैसे की व्यवस्था नहीं की गई तो बिजली अगले दिन ही मिल पाएगी। जब उपभोक्ताओं ने इस संबंध में उच्चाधिकारियों से शिकायत करने की बात कही तो कथित तौर पर लाइनमैन ने जवाब दिया कि अब उच्चाधिकारी ही फाल्ट तलाशकर बिजली ठीक कराएंगे। रक्षाबंधन जैसे महत्वपूर्ण पर्व पर पूरे दिन बिजली गुल रहने से ग्रामीणों में नाराजगी देखने को मिली।

रक्षाबंधन पर गूंज संस्था ने मनाया भाई-बहन के प्रेम और सुरक्षा का पर्व

वेलकम इंडिया संवाददाता

प्रयागराज। रक्षाबंधन के उपलक्ष्य में गोल्डन लायनेस संस्था 'गूंज' द्वारा 27 अगस्त 2026 को अलोपी बाग रामलीला पार्क में रक्षाबंधन का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में प्रसिद्ध समाजसेवी एवं व्यापार मंडल अध्यक्ष दिनेश भैया विशेष रूप से उपस्थित रहे। संस्था की संरक्षिका श्रुति माथुर सहित अन्य बहनों ने दिनेश भैया को राखी बांधी और मिठाई खिलाकर रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर दिनेश भैया ने सभी बहनों को आशीर्वाद देते हुए उनकी सुरक्षा एवं हर सुख-दुख में साथ खड़े रहने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में गूंज संस्था-1 की अध्यक्ष रानी गुप्ता, गूंज संस्था-2 की अध्यक्ष सरिता साहू, उपाध्यक्ष किरण शुक्ला, सचिव पूनम गुप्ता, कोषाध्यक्ष बीना शर्मा सहित सीमा श्रीवास्तव, वंदना सिंह, मीनाक्षी श्रीवास्तव, साधना सिंह, नेहा सिंह, सुनीता श्रीवास्तव, मीना सिंह, नितिन खरे, संगीता केसरवानी, सरला मिश्रा, विनीत सिंह, वर्षा यादव, सीमा एवं विभास चटर्जी आदि सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम ने भाई-बहन के प्रेम, विश्वास और सुरक्षा के संकल्प को साकार किया।

राखी पर्व मे सुरक्षा की दृष्टि से सडक पर उतरे कोतवाल सग्रामगढ अवन दीक्षित

विजय द्विवेदी/वेलकम इंडिया

प्रतापगढ। बाबागंज। रक्षाबंधन पर्व पर बाजारों में उमड़ी भीड़ के बीच संग्रामगढ़ पुलिस पूरी तरह अलर्ट मोड में नजर आई। बहनों की सुरक्षा और बाजारों में यातायात व्यवस्था को लेकर पुलिस ने सड़क पर उतरकर मोर्चा संभाल लिया। एसएचओ अवन कुमार दीक्षित खुद फील्ड में उतरे और बाजारों का जायजा लेते हुए पुलिस टीम को जरूरी दिशा-निर्देश देते दिखाई दिए। बाजारों में सड़क तक दुकानें सजाकर रास्ता घेरने वालों पर पुलिस ने सख्ती दिखाई। सड़क पर लगाई गई दुकानों को हटवाकर जाम की समस्या से लोगों को राहत दिलाई गई। पुलिस की सक्रियता से बाजारों में यातायात व्यवस्था को पटरी पर लाने की कोशिश साफ नजर आई। रक्षाबंधन के मौके पर खरीदारी के लिए निकली बहनों को किसी तरह की परेशानी न हो और भीड़ का फायदा उठाकर कोई शरारती तत्व उनके अभद्रता न कर सके, इसके लिए संग्रामगढ़ पुलिस लगातार मुस्तैद रही। बाजार और प्रमुख मार्गों पर पुलिस दिन भर गश्त करती रही। एसएचओ अवन कुमार दीक्षित की अगुवाई में पुलिस की सक्रियता ने साफ संदेश दिया कि त्योहार की भीड़ में कानून-व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों को किसी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

रक्षा के साथ सम्मान और समानता का संकल्प ही रक्षाबंधन की सच्ची भावना: जियाउर्रहमान

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। रक्षाबंधन के पावन पर्व पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष जियाउर्रहमान ने सामाजिक समरसता, भाईचारे और समानता का संदेश देते हुए पहासू नगर की मलिन बस्ती में पहुंचकर दलित बहनों के साथ रक्षाबंधन का पर्व मनाया। इस दौरान प्राची, मुस्कान, भूमि, दीक्षा, भावना, भूमिका, प्रीति और श्रद्धा सहित दर्जनों बहनों ने कांग्रेस जिलाध्यक्ष को राखी बांधी और भाई-बहन के स्नेह एवं विश्वास के रिश्ते को मजबूत किया। राखी बंधवाने के बाद कांग्रेस जिलाध्यक्ष जियाउर्रहमान ने सभी बहनों को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि रक्षाबंधन केवल एक धागे का पर्व नहीं, बल्कि आपसी प्रेम, विश्वास, सम्मान और जिम्मेदारी का प्रतीक है। समाज में किसी भी वर्ग के साथ भेदभाव नहीं होना चाहिए। हर बहन और हर बेटी का सम्मान एवं सुरक्षा हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन का पर्व हमें जाति, धर्म और आर्थिक स्थिति की दीवारों से ऊपर उठकर एक-दूसरे के सुख-दुख में साथ खड़े होने की प्रेरणा देता है। समाज तभी मजबूत होगा, जब हर व्यक्ति को बराबरी का सम्मान और अधिकार मिलेगा।

जियाउर्रहमान ने कहा कि दलित, वंचित और कमजोर वर्ग समाज का अभिन्न हिस्सा हैं। उनके सम्मान, अधिकार और सुरक्षा के लिए हमेशा आवाज उठाना हमारा सामाजिक दायित्व है। उन्होंने बहनों को हर सुख-दुख में साथ खड़े रहने और उनकी हरसंभव मदद करने का संकल्प दोहराया। इस अवसर पर उन्होंने सभी बहनों को शगुन देकर रक्षाबंधन की बधाई दी। कार्यक्रम के दौरान बस्ती में आपसी प्रेम, भाईचारे और सौहार्द का माहौल देखने को मिला। कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने कहा कि ऐसे सामाजिक कार्यक्रमों का उद्देश्य केवल पर्व मनाना नहीं, बल्कि समाज में समानता, सद्भाव, भाईचारे और आपसी विश्वास को मजबूत करना है। रक्षाबंधन का संदेश यही है कि हम एक-दूसरे की रक्षा, सम्मान और अधिकारों के लिए सदैव खड़े रहें। इस अवसर पर कांग्रेस के जिला सचिव नरेश बाल्मिकी, सगीर अहमद, अध्यक्ष अखिल पठान, भजनलाल जाटव, परवेज पठान, मुनाजिम खान, राजकुमार बघेल, कुलदीप शर्मा, शिवकुमार, पुनीत यादव आदि मौजूद रहे।

जन्माष्टमी को लेकर कुंडा में मेगा प्लान तैयार, विदासिन से मनगढ़ तक रहेगा नो-व्हीकल जोन

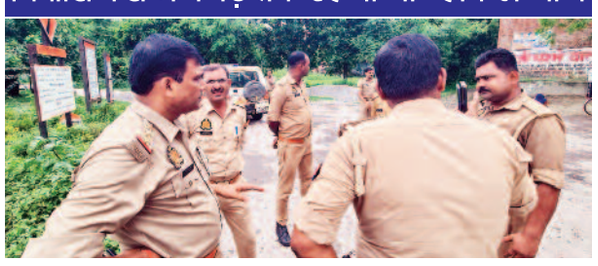

प्रतापगढ़ (विजय द्विवेदी)। कुण्डा। जन्माष्टमी पर्व पर मनगढ़ धाम में उमड़ने वाली श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए पुलिस-प्रशासन ने सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को लेकर व्यापक प्लान तैयार किया है। 4 सितंबर को विदासिन चौराहे से मनगढ़ चौराहे तक का मार्ग नो-व्हीकल जोन रहेगा। इस मार्ग पर केवल पैदल दर्शनार्थियों को आवागमन की अनुमति होगी। आवश्यक सेवाओं के तहत एम्बुलेंस, अग्निशमन वाहन और पुलिस वाहनों को ही आवागमन की अनुमति दी जाएगी। कुंडा की ओर से आने वाले वाहनों को विदासिन चौराहे पर, जबकि खनवारी की ओर से आने वाले वाहनों को मीरापुर चौराहे पर रोकने की व्यवस्था की जा रही है। जन्माष्टमी पर्व के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत रखने के लिए विभिन्न स्थानों पर 1000 से अधिक पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई जाएगी। भीड़ नियंत्रण, यातायात संचालन और आपात स्थिति से निपटने के लिए पुलिस टीमों को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। व्यवस्थाओं की तैयारियों को परखने के लिए थाना प्रभारी कुंडा अरविंद सिंह, इंस्पेक्टर क्राइम संजय सिंह और थाना प्रभारी संग्रामगढ़ अवन कुमार दीक्षित ने पुलिस टीम के साथ मॉक ड्रिल की। इस दौरान भीड़ और यातायात नियंत्रण सहित सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया। थाना प्रभारी कुंडा ने श्रद्धालुओं से पुलिस-प्रशासन की व्यवस्था में सहयोग करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि श्रद्धालु निर्धारित मार्ग और यातायात नियमों का पालन करें। अनुशासनहीनता करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

रक्षाबंधन पर जरूरतमंद महिलाओं को साड़ी और राखी वितरित, डंपी तिवारी बाबा ने पेश की मानवता की मिसाल

संतोष कुमार सिंह

वाराणसी (वेलकम इंडिया)। रक्षाबंधन के पावन पर्व पर मिशन समाज सेवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डंपी तिवारी बाबा ने जरूरतमंद महिलाओं के बीच पहुंचकर सेवा और संवेदनशीलता की मिसाल पेश की। उन्होंने सड़क किनारे माला, फूल, भुट्टा और दातुन बेचकर परिवार का जीवनयापन करने वाली महिलाओं को नई साड़ियां और राखियां वितरित कीं।

इस दौरान डंपी तिवारी बाबा ने कहा कि रक्षाबंधन केवल भाई-बहन के पवित्र रिश्ते का पर्व नहीं है, बल्कि यह समाज में आपसी प्रेम, सम्मान और भाईचारे की भावना को मजबूत करने का भी अवसर है। उन्होंने कहा कि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े जरूरतमंद लोगों के चेहरे पर मुस्कान लाना ही सच्ची मानव सेवा है। उन्होंने जरूरतमंद महिलाओं को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि समाज के कमजोर वर्ग के साथ खड़े होकर उनकी जरूरतों में सहभागी बनना प्रत्येक व्यक्ति की सामाजिक जिम्मेदारी है। पर्व के अवसर पर मिली साड़ी और राखी पाकर महिलाओं के चेहरे खुशी से खिल उठे। महिलाओं ने डंपी तिवारी बाबा के प्रति आभार जताते हुए उनके सेवा भाव की सराहना की। मिशन समाज सेवा की ओर से किए गए इस मानवीय प्रयास ने रक्षाबंधन के पर्व को और भी भावपूर्ण बना दिया। जरूरतमंद महिलाओं तक पहुंचकर उन्हें सम्मान, स्नेह और अपनापन देने का यह प्रयास समाज में सेवा और भाईचारे का सकारात्मक संदेश देता नजर आया। डंपी तिवारी बाबा ने कहा कि त्योहारों की वास्तविक खुशी तभी सार्थक होती है, जब उसकी खुशियां समाज के जरूरतमंद लोगों तक भी पहुंचें। उन्होंने आगे भी जरूरतमंद और वंचित लोगों की सहायता के लिए सेवा कार्य जारी रखने की बात कही।

नन्ही यति ने पुलिसकर्मियों को बांधी राखी, बोली-आपकी कलाई सूनी नहीं रहनी चाहिए

बुलंदशहर (वेलकम इंडिया)। रक्षाबंधन के पावन पर्व पर जहां लोग अपने परिवार के साथ त्योहार की खुशियां मना रहे थे, वहीं पुलिसकर्मी समाज की सुरक्षा के लिए अपनी ड्यूटी पर मुस्तैद रहे। ऐसे में नौ वर्षीय नन्ही यति रोहिला ने अपनी मां एवं अध्यापिका प्रियंका रोहिला के साथ पुलिसकर्मियों के बीच पहुंचकर उन्हें राखी बांधी और उनके प्रति सम्मान एवं कृतज्ञता व्यक्त की। यति ने पुलिसकर्मियों की कलाई पर राखी बांधते हुए कहा कि जब हम अपने भाई-बहनों के साथ रक्षाबंधन मनाते हैं, तब हमारे पुलिस वाले भाई हमारी सुरक्षा के लिए ड्यूटी पर तैनात रहते हैं। इसलिए रक्षाबंधन के दिन उनकी कलाई सूनी नहीं रहनी चाहिए। नन्ही यति की इस भावुक पहल ने वहां मौजूद पुलिसकर्मियों को भी भावविभोर कर दिया। पुलिसकर्मियों ने बच्ची को आशीर्वाद देते हुए उसकी संवेदनशील सोच और समाज के प्रति सम्मान की भावना की सराहना की। यति की मां प्रियंका रोहिला ने कहा कि पुलिसकर्मी समाज के ह्लअसली रक्षकह्व हैं। त्योहारों और विशेष अवसरों पर भी वे अपने परिवार से दूर रहकर आम नागरिकों की सुरक्षा में जुटे रहते हैं। ऐसे में उनके प्रति सम्मान और अपनत्व प्रकट करना हम सभी का दायित्व है। रक्षाबंधन के अवसर पर यति की इस छोटी-सी पहल ने बड़ा संदेश दिया कि रिश्ते केवल खून के नहीं होते, बल्कि सम्मान, विश्वास और सुरक्षा की भावना से भी बनते हैं।

रक्षाबंधन पर बहन की आरती उतार शशि प्रताप सिंह ने किया सम्मान

बोले-राखी दिखावे का नहीं, रिश्ते निभाने का पर्व

वेलकम इंडियासंतोष कुमार सिंह

वाराणसी। नेशनल इक्वल पार्टी के संयोजक शशि प्रताप सिंह ने रक्षाबंधन के अवसर पर अपनी बड़ी बहन की आरती उतारकर, तिलक लगाकर उनका सम्मान किया। इसके बाद बहन ने भाई की कलाई पर राखी बांधी और उन्हें आशीर्वाद दिया। इस अवसर पर भाई-बहन के बीच प्रेम, सम्मान और स्नेह का भाव देखने को मिला।

शशि प्रताप सिंह ने कहा कि बहनें पूरे वर्ष अपने भाइयों की सुख-समृद्धि और लंबी उम्र के लिए दुआ और मंगलकामना करती हैं। रक्षाबंधन के दिन बहनें भाई की कलाई पर राखी बांधकर उसके प्रति अपने प्रेम का इजहार करती हैं। ऐसे में भाई का भी कर्तव्य है कि वह अपनी बहन का सम्मान करे और उसके प्रति अपने प्रेम व जिम्मेदारी की भावना व्यक्त करे। उन्होंने कहा कि बहन किसी के घर की लक्ष्मी होती है और उसका सम्मान करना भाई का फर्ज है। रक्षाबंधन केवल राखी बांधने या दिखावे का पर्व नहीं, बल्कि बहन को सम्मान देने, उसकी रक्षा का संकल्प लेने और भाई-बहन के पवित्र रिश्ते को और मजबूत करने का अवसर है।

शशि प्रताप सिंह ने कहा कि बहन से बढ़कर भाई को कोई प्यार नहीं करता। बहन हर परिस्थिति में भाई के सुख और सफलता की कामना करती है। इसलिए रक्षाबंधन को केवल रस्म अदायगी तक सीमित न रखकर बहनों के सम्मान और उनके प्रति भाई के प्रेम को समर्पित पर्व के रूप में मनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, ह्लरक्षाबंधन दिखावे का पर्व नहीं, रिश्ते निभाने का पर्व है। इसे केवल रक्षाबंधन के रूप में नहीं, बल्कि ह्यबहन दिवसह्ण के रूप में भी मनाया जाना चाहिए। उन्होंने लोगों से अपील की कि रक्षाबंधन के अवसर पर अपनी बहनों को सम्मान दें, उनका आशीर्वाद लें और भाई-बहन के रिश्ते में प्रेम, विश्वास और अपनापन और मजबूत करें।

पंजाबी मंच मोदीनगर की प्रथम आधिकारिक बैठक संपन्न

पंजाबी समाज की एकता, बच्चों के उज्ज्वल भविष्य तथा समाजहित में निरंतर कार्य करने का लिया संकल्प

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। पंजाबी मंच मोदीनगर के नए सत्र की प्रथम आधिकारिक बैठक आज होटल स्काई कैफे, मोदीनगर में संपन्न हुई। बैठक में मंच के आगामी कार्यक्रमों एवं सामाजिक गतिविधियों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई तथा सर्वसम्मति से कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

बैठक में निर्णय लिया गया कि 17 सितंबर 2026 को श्री गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा, गुरुद्वारा रोड, मोदीनगर में पंजाबी समाज के मेधावी एवं प्रतिभाशाली बच्चों के सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। इस समारोह में कक्षा 10वीं एवं 12वीं में 75 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले पंजाबी समाज के मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाएगा। इसके साथ ही ऐसे बच्चे जिन्होंने शिक्षा, खेल, सांस्कृतिक गतिविधियों अथवा अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए स्कूल, जिला अथवा राज्य स्तर पर पदक, पुरस्कार या विशेष उपलब्धि प्राप्त की है, उन्हें भी पंजाबी मंच मोदीनगर द्वारा सम्मानित एवं पुरस्कृत किया जाएगा।

बैठक में मंच के अध्यक्ष ललित अरोड़ा ने कहा कि समाज की युवा पीढ़ी हमारी सबसे बड़ी शक्ति है और उनकी प्रतिभा को पहचानना, प्रोत्साहित करना तथा सम्मानित करना पंजाबी मंच का महत्वपूर्ण उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि मेधावी बच्चों का सम्मान अन्य विद्यार्थियों को भी बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करेगा। बैठक में मुख्य संरक्षक राज ढींगरा, जनरल सेक्रेटरी राजेश अरोड़ा एवं संजीव चौधरी, कोषाध्यक्ष डॉ. जी एस सचदेवा, सह-कोषाध्यक्ष श्री पवन कुमार, सुनील चावला, छबील चावला, भीमसेन ढींगरा, अनुराग सैनी, संजीव अरोड़ा, डॉ. अतुल सेठी, विनय ढींगरा, जे पी भूटानी, सतीश अरोरा राजेश खुराना, अमित टंडन,दिशांत भुटानी, आशु भूटानी, मनजीत सिंह जौली, जसपाल गंभीर, जतिन सचदेवा,रवीश चचड़ा, अभिषेक खन्ना एवं राजेंद्र सिंह सहित मंच के अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। बैठक के अंत में सभी सदस्यों ने पंजाबी समाज की एकता, समाजहित में निरंतर कार्य करने का संकल्प लिया।

रक्षाबंधन का पावन पर्व धूमधाम से मनाया, बहनों ने भाईयों की कलाइयों पर बांधी राखी

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। रक्षाबंधन का पावन पर्व यहां परम्परागत तरीके से धूमधाम से मनाया गया। बहनों ने भाईयों की कलाईयों पर राखी बांधी और उनके दीधायु की कामना की। वही लोगों की आवाजाही के कारण मुख्य मार्ग पर जाम की स्थिति सी बनी रही। सुबह से ही घरों में व सड़कों पर रौनक रही।

कहीं बहनों ने भाईयों के घर जाकर राखी बांधी तो कहीं राखी बंधवाने के लिए भाई अपनी बहनों के घर पहुँचे। बड़ों से कह ज्यादा उत्साह छोटे बच्चों में रहा। रंग बिरंगे कपड़े पहने छोटी बच्चियों ने प्रेम व स्नेह के प्रतीक धागों को अपने नन्हें मुन्हें भाईयों की कलाई पर बांधा। आराध्या ने अपने भाई पार्थ मोदीनगर को आध्या चौधरी अपने भाई अनंत चौधरी खंजरपुर को, भारती ने अपने भाई जगपाल को राखी बांधी।

भाईयों ने बहनों के भाईयों के दीधायु रहने की कामना की और भाईयों ने बहनों के रक्षा का संकल्प लिया। रक्षाबंधन पर मिठाईयों की जमकर बिक्री हुई। मिठाई की कई दुकानें देर रात खुली रही। बच्चों व युवकों ने पतंग उडाकर भी यह त्यौहार मनाया। उत्साही बच्चे सुबह से ही अपने मकानों की छत पर आ गए। पूरे दिन घटाए धिरी रही, लेकिन बरसात नही हुई। पतंग बाजों ने मौसम के इस मिजाज को अपने पक्ष में माना और अंधेरा घिर आने तक पतंगे उडाई।

समाजसेवी पं. शिवकुमार शर्मा के निधन पर किया शोक व्यक्त

वेलकम इंडिया संवाददाता

मोदीनगर। प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य पं कुंज बिहारी वशिष्ठ के बड़े बहनोई सिकन्द्राबाद के सुप्रसिद्ध समाजसेवी एंव व्यवसायी पंडित शिवकुमार शर्मा लाले उपाध्यक्ष अखिल भारत ब्रह्म महासभा पंजीकृत दिल्ली 52 संस्थापक/अध्यक्ष आजीवन, आर के इंटरनेशनल स्कूल सिकन्द्राबाद का गत दिवस हृदयगति रूकने से स्वर्गवास हो गया। उनके निधन की खबर मिलते ही क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई। उन्होने अपने पीछे पत्नी राधा, एक पुत्र अनुज शर्मा ,पुत्र वधू ज्योति दो पुत्री डोली दामाद शेखर , छाया वंदना दामाद विशाल व अपने परिवार काले आदि अंशू भोलू भरपूर कुटुंब को छोड कर गये हैं। उनके अंतिम दर्शन वंदन करने हेतु नगर व आसपास सहित ग्रामीण क्षेत्र से भी बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। बुलंदशहर,गौतमबुद्ध नगर के विधायक, प्रशासनिक अधिकारीगण, पत्रकार, और विभिन्न संस्थाओं ब्राह्मण समाज के पदाधिकारीगण आदि ने दिवंगत आत्मा को श्रध्दांजलि दी। मुक्तेश मोहन वशिष्ठ राष्ट्रीय प्रवक्ता अखिल भारत ब्रह्म महासभा आदित्य मोहन वशिष्ठ शशांक वशिष्ठ अनुभव मोहन वशिष्ठ प्रीति शर्मा,हिमानी, ज्योति आदि ने गहरा दुख प्रकट करते हुए श्रद्धासुमन अर्पित किए।

रक्षाबंधन पर्व पर दिल्ली-मेरठ मार्ग पर दिन भर रही जाम की स्थिति

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। रक्षाबंधन पर्व पर शुक्रवार को दिल्ली-मेरठ मार्ग पर जाम की स्थिति बनी रही। रक्षाबंधन का पर्व होने के चलते बहन अपने भाइयों को रक्षाबंधन बनाने के लिए सुबह से ही घर से निकल गई। ऐसे में सड़क पर वाहनों का दबाव बढ़ा और यातायात व्यवस्थाएं बिगड़नी शुरू हो गई।

सुबह से ही दिल्ली-मेरठ मार्ग पर जाम लगने लगा। देखते- देखते वाहनों की कतार लंबी होती चली गई। राजचौपले से लेकर गोविंदपुरी तक वाहनों की कतार पहुंच गई। इसके अलावा तिबड़ा रोड रेलवे फाटक, सीकरी रोड रेलवे फाटक पर भी बुरी स्थिति रही।

वाहनों की कतार रेलवे फाटक से होते हुए दिल्ली-मेरठ मार्ग पर पहुंच गई। ऐसे में पीछे से आ रहे वाहनों को आगे जाने की जगह नहीं मिली और जाम लगने लगा। लोगों ने जाम से बचने के लिए अन्य रास्तों को चुना।

ऐसे में वहां पर भी जाम लगने लगा। सुबह से बिगड़ी यातायात व्यवस्थाएं शाम तक भी दुरुस्त नहीं हो सकी। एसीपी मोदीनगर भास्कर वर्मा का कहना है कि यातायात व्यवस्था को लेकर शहर में जगह-जगह पर पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई थी।

रक्षाबंधन पर राखी बांधकर हिन्दू मुस्लिम एकता का दिया संदेश

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। कस्बा निवाड़ी में भारतीय किसान यूनियन किसान सभा के राष्ट्रीय संरक्षक सत्येंद्र त्यागी के आवास पर जुलेखा ने आकर भाई बहन के अटूट विश्वास एवं असीम स्नेह एवं समर्पण के रक्षाबंधन के पावन पर्व पर कलाई पर राखी बांधी। यह एक देशवासियों को हिंदू मुस्लिम एकता का संदेश दिया।

उन्होंने सभी देशवासियों से अपील करते हुए कहा कि ऐसे ही भाईचारा देश में बना रहे। सभी के त्यौहार ऐसे ही खुशी से मनाये जाये। उन्होंने सभी देशवासियों को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं।

संपूर्ण गन्ना मूल्य भुगतान पर मोदीनगर क्षेत्र के किसानों में खुशी की लहर

वेलकम इंडिया संवाददाता

मोदीनगर। मोदीनगर विधानसभा क्षेत्र के किसान भाइयों-बहनों के लिए अत्यंत हर्ष का विषय है कि मोदीनगर शुगर मिल द्वारा पेराई सत्र 2025-26 का संपूर्ण गन्ना मूल्य भुगतान आज कर दिया गया है।समय पर गन्ना मूल्य का भुगतान होने से निश्चित रूप से हमारे किसान परिवारों को आर्थिक राहत मिलेगी तथा वे अपने आवश्यक कार्यों को समय से पूरा कर सकेंगे। किसानों के हितों के प्रति संवेदनशील एवं प्रतिबद्ध मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, गन्ना मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी एंव मोदी शुगर मिल प्रबंधन का प्रवीण राणा वाइस चेयरमैन सहकारी समिति बेगमाबाद बुदाना ने हृदय से आभार व्यक्त किया है।

हनुमान मंदिर के सामने आपत्तिजनक रील बनाना पड़ा भारी, लोनी पुलिस ने दो युवकों को दबोचा

इंस्टाग्राम पर वायरल की थी विवादित वीडियो, धार्मिक भावनाएं भड़काने वाले कंटेंट पर पुलिस सख्त

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। सोशल मीडिया पर लाइक और व्यूज के चक्कर में आपत्तिजनक रील बनाकर वायरल करना दो युवकों को भारी पड़ गया। लोनी पुलिस ने हनुमान मंदिर के सामने आपत्तिजनक गाने पर रील बनाकर इंस्टाग्राम पर शेयर करने के आरोप में दो युवकों जैद और समीर को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, आरोपियों ने मंदिर के सामने ऐसा वीडियो बनाया था, जिसमें आपत्तिजनक एवं धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाले बोल वाले गाने का इस्तेमाल किया गया। वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामला पुलिस के संज्ञान में आया। पुलिस ने वीडियो की जांच कर दोनों आरोपियों की पहचान की और उन्हें गिरफ्तार कर लिया। पुलिस का कहना है कि सोशल मीडिया पर धार्मिक भावनाएं भड़काने, आपत्तिजनक कंटेंट प्रसारित करने या कानून-व्यवस्था प्रभावित करने वाली गतिविधियों को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऐसे मामलों में आरोपियों के खिलाफ सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

'गुड टच' की समझ बनी सुरक्षा की ढाल, छात्राओं को सिखाए आत्मरक्षा के गुर

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। बच्चों को व्यक्तिगत सुरक्षा के प्रति जागरूक करने और उन्हें किसी भी अनुचित व्यवहार को पहचानने का आत्मविश्वास देने के उद्देश्य से गुरुवार को बिराज फाउंडेशन और गणेश हॉस्पिटल की ओर से पटेल नगर स्थित चौधरी छबील दास स्कूल में पिंक सेफ्टी ड्राइव के तहत जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं को गुड टच और बैड टच के बीच अंतर समझाने के साथ ऐसी परिस्थितियों में खुद को सुरक्षित रखने के व्यावहारिक तरीके बताए गए। विशेषज्ञों ने छात्राओं को स्पष्ट किया कि सुरक्षा के प्रति जागरूकता छोटी उम्र से विकसित होना बेहद जरूरी है। कार्यक्रम में डॉ. मोनिशा शर्मा और डॉ. निशा ने छात्राओं से संवाद करते हुए व्यक्तिगत सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं की जानकारी दी। उन्होंने सरल तरीके से समझाया कि हर स्पर्श सामान्य या स्वीकार्य नहीं होता। बच्चों को यह पहचानना आना चाहिए कि कौन-सा व्यवहार उन्हें सुरक्षित और सहज महसूस कराता है तथा कौन-सा व्यवहार असहज या अनुचित हो सकता है। छात्राओं को बताया गया कि यदि कोई व्यक्ति उन्हें किसी भी तरह से असहज महसूस कराता है तो डरने या चुप रहने के बजाय तुरंत वहां से हटना चाहिए और अपने माता-पिता, शिक्षक या किसी भरोसेमंद व्यक्ति को इसकी जानकारी देनी चाहिए। पिंक सेफ्टी ड्राइव के तहत आयोजित इस कार्यक्रम ने छात्राओं को व्यक्तिगत सुरक्षा के प्रति सजग करने के साथ उन्हें अपनी बात खुलकर रखने का संदेश दिया। कार्यक्रम के माध्यम से यह भी स्पष्ट किया गया कि बच्चों की सुरक्षा केवल उनकी जिम्मेदारी नहीं, बल्कि परिवार, विद्यालय और पूरे समाज की साझा जिम्मेदारी है। विशेषज्ञों ने छात्राओं को उनके शरीर की निजता और निजी अंगों से संबंधित जरूरी जानकारी देते हुए बताया कि किसी भी प्रकार का अनुचित स्पर्श स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने छात्राओं को अपनी सीमाओं को समझने और जरूरत पड़े पर स्पष्ट रूप से 'नहीं' कहने के लिए प्रेरित किया। साथ ही आपात स्थिति में घबराने के बजाय आत्मविश्वास के साथ अपनी बात रखने और आसपास मौजूद लोगों से सहायता लेने के तरीके भी समझाए गए। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं ने व्यक्तिगत सुरक्षा से जुड़े सवाल भी पूछे, जिनका विशेषज्ञों ने सहज भाषा में जवाब दिया। विशेषज्ञों ने कहा कि बच्चों के साथ सुरक्षा से जुड़े विषयों पर खुलकर बातचीत करने से उनमें झिझक कम होती है और वे किसी असहज स्थिति में समय रहते मदद मांगने के लिए आगे आ पाते हैं। इसलिए अभिभावकों और शिक्षकों की भूमिका भी इस दिशा में बेहद महत्वपूर्ण है। बिराज फाउंडेशन के संस्थापक डॉ. बिराज सिंह ने बताया कि संस्था की ओर से पिंक सेफ्टी ड्राइव के साथ-साथ बच्चों के लिए विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम लगातार आयोजित किए जा रहे हैं। इन कार्यक्रमों में गुड टच-बैड टच के साथ मानसिक तनाव, मासिक धर्म स्वच्छता और बच्चों के स्वास्थ्य से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर भी जानकारी दी जा रही है। उन्होंने कहा कि बच्चों को केवल शिक्षा देना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन्हें अपने स्वास्थ्य, सुरक्षा और मानसिक मजबूती के प्रति जागरूक बनाना भी जरूरी है।

सूचना विभाग के कामकाज से संतुष्ट दिखे मंडलीय निरीक्षक

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। मेरठ मंडल के मंडलायुक्त के निर्देश के क्रम में मंडलीय निरीक्षक राजकीय कार्यालय, मेरठ मंडल मेरठ श्री कुलदीप भारद्वाज ने सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, गाजियाबाद कार्यालय का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्यालय की कार्यप्रणाली, अभिलेखों के रखरखाव, साफ-सफाई और आम जनता तथा पत्रकारों के साथ कर्मचारियों के व्यवहार का जायजा लिया। निरीक्षण के बाद मंडलीय निरीक्षक ने कार्यालय की व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त किया। निरीक्षण के दौरान मंडलीय निरीक्षक ने पाया कि जिला सूचना अधिकारी योगेन्द्र प्रताप सिंह का अपने अधीनस्थ कर्मचारियों पर पर्याप्त नियंत्रण है और वे कुशल नेतृत्व के साथ कार्यालयीय कार्यों का संचालन कर रहे हैं। उन्होंने कार्यालय में आने वाली आम जनता और पत्रकारों के साथ जिला सूचना अधिकारी एवं कर्मचारियों के व्यवहार को भी संतोषजनक पाया। कार्यालय परिसर में साफ-सफाई, स्वच्छता और सुंदरता की व्यवस्था भी बेहतर मिली। मंडलीय निरीक्षक ने कार्यालय में रखे विभिन्न अभिलेखों और पंजिकाओं का भी निरीक्षण किया। इस दौरान कार्यालय अभिलेखों का रखरखाव निर्धारित तरीके से किया जाना पाया गया। उन्होंने शासकीय रिकॉर्ड को नियमित रूप से अद्यावधिक रखने पर विशेष जोर दिया, ताकि कार्यालयीय कार्यों में किसी प्रकार की परेशानी न हो और जरूरत पड़ने पर संबंधित अभिलेख आसानी से उपलब्ध हो सकें। निरीक्षण के दौरान कार्यालय में स्टाफ की कमी प्रमुख रूप से सामने आई। मंडलीय निरीक्षक ने इस स्थिति को संज्ञान में लेते हुए बताया कि कर्मचारियों की कमी के संबंध में मंडलायुक्त मेरठ मंडल तथा संबंधित प्रशासनिक सुधार विभाग, लखनऊ को पत्र प्रेषित किया जाएगा।

दिव्यांग ठेली संचालक की पिटाई का आरोप, दरोगा निलंबित

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। पुराना बस अड्डा क्षेत्र में एक दिव्यांग ठेली संचालक को चौकी पर बुलाकर बेरहमी से पीटने का मामला सामने आया है। पीड़ित की शिकायत पर अधिकारियों ने मामले की जांच कराई। प्रथम दृष्टया आरोप सही पाए जाने के बाद डीसीपी सिटी ने हल्का प्रभारी एसआई अंशु कुमार को निलंबित कर दिया। साथ ही उनके खिलाफ विभागीय जांच के आदेश दिए गए हैं। मालीवाड़ा निवासी विकास तिवारी ने अधिकारियों को दी शिकायत में बताया कि वह ठेली लगाकर अंडे बेचते थे। पुलिस ने उन्हें चौकी पर बुलाकर अंडे बेचने से मना किया था। पुलिस के कहने पर उन्होंने अंडों की बिक्री बंद कर दी। विकास का आरोप है कि इसके बावजूद उन्हें दोबारा चौकी पर बुलाया गया और वहां उनके साथ मारपीट की गई। उन्होंने आरोप लगाया कि हल्का प्रभारी एसआई अंशु कुमार ने उनकी दिव्यांगता का भी ध्यान नहीं रखा और उनके साथ बर्बरता से मारपीट की। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए डीसीपी सिटी ने मामले की जांच कराई। जांच के दौरान दरोगा के व्यवहार और पीड़ित के साथ मारपीट के आरोपों को गंभीर माना गया। जांच रिपोर्ट के आधार पर डीसीपी सिटी धवल जायसवाल ने हल्का प्रभारी अंशु कुमार को निलंबित कर दिया।

गांधी दर्शन से रूबरू हुए मेवाड़ के कानून के विद्यार्थी, सीखा शांतिपूर्ण विवाद समाधान का मंत्र

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। वसुंधरा स्थित मेवाड़ लॉ इंस्टीट्यूट के बी.ए. एलएल.बी. द्वितीय वर्ष के 50 विद्यार्थियों ने राजघाट स्थित गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस दौरान विद्यार्थियों ने महात्मा गांधी के जीवन, उनके विचारों और स्वतंत्रता संग्राम में योगदान को करीब से समझने के साथ 'मध्यस्थता के गांधीवादी दृष्टिकोण' विषय पर आयोजित विशेष व्याख्यान में हिस्सा लिया।

शैक्षणिक भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को कानून की पढ़ाई के साथ विवादों के शांतिपूर्ण एवं नैतिक समाधान के गांधीवादी सिद्धांतों से परिचित कराना रहा। कार्यक्रम की शुरूआत महात्मा गांधी के जीवन और स्वतंत्रता संग्राम में उनके योगदान पर आधारित वीडियो प्रस्तुति से हुई। इसके बाद डॉ. वेदव्यास कुंडू ने पीपीटी के माध्यम से विद्यार्थियों को सत्य, अहिंसा, संवाद, करुणा, नैतिकता और पारस्परिक समझ जैसे गांधीवादी मूल्यों की उपयोगिता समझाई। उन्होंने बताया कि किसी भी विवाद का समाधान केवल कानूनी प्रक्रिया तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि उसके पीछे मौजूद मानवीय भावनाओं और संबंधों को भी समझना जरूरी है। डॉ. कुंडू ने विद्यार्थियों को समझाया कि मध्यस्थता का उद्देश्य केवल दो पक्षों के बीच विवाद समाप्त कराना नहीं है। इसका व्यापक उद्देश्य पक्षकारों के बीच संवाद स्थापित करना, विश्वास कायम करना और संबंधों को फिर से बेहतर बनाने का प्रयास करना भी है। उन्होंने कहा कि गांधीवादी दृष्टिकोण में संवाद, धैर्य, अहिंसा और पारस्परिक समझ के माध्यम से विवादों को शांतिपूर्ण तरीके से सुलझाने पर विशेष जोर दिया जाता है। कानून के विद्यार्थियों के लिए यह व्याख्यान विशेष रूप से उपयोगी रहा, क्योंकि भविष्य में वे न्याय और विवाद समाधान की प्रक्रिया से प्रत्यक्ष रूप से जुड़े होंगे। विद्यार्थियों ने गांधीवादी सिद्धांतों को आधुनिक कानूनी व्यवस्था और मध्यस्थता की प्रक्रिया से जोड़कर समझने का प्रयास किया। मेवाड़ ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस की निदेशक डॉ. अलका अग्रवाल ने विद्यार्थियों को महात्मा गांधी के जीवन और उनके मूल्यों से प्रेरणा लेने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि कानून के क्षेत्र में कार्य करने वाले विद्यार्थियों के लिए न्याय के साथ संवेदनशीलता, नैतिकता और शांतिपूर्ण समाधान की भावना भी महत्वपूर्ण है। गांधीजी के विचार विद्यार्थियों को समाज में सकारात्मक भूमिका निभाने की प्रेरणा दे सकते हैं। इस अवसर पर डॉ. वेदव्यास कुंडू ने विद्यार्थियों को गांधीवादी चरखा एवं अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया।

जिला स्वास्थ्य समिति की शासी निकाय की बैठक में स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा, डीएम ने दिए सख्त निर्देश

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की शासी निकाय की बैठक आयोजन अपराहन 12.30 बजे से महात्मा गाँधी सभागार, जिलाधिकारी कार्यालय में किया गया जिसमे स्वास्थ्य विभाग से सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों एवं शिक्षा विभाग, बाल विकास एवं पुष्टाहार, पंचायती राज विभाग, आदि के द्वारा प्रतिभाग किया गया एवं साथ ही आयुष्मान भारत कार्यक्रम में जनपद में बनाये गये आयुष्मान कार्ड की भी समीक्षा की गयी जिसमे शेष समस्त लाभार्थी जिनका आयुष्मान कार्ड अब तक नहीं बना है राशन डीलर से समन्वय करते शीघ्र ही शेष समस्त लाभार्थियों को कार्ड बनाने हेतु आदेशित किया गया ,एवं जननी सुरक्षा योजना में लाभार्थी का शत- प्रतिशत भुगतान करने हेतु आदेशित किया । सर्वप्रथम सभी चिकित्सालयों को ओ.पी.डी. बढ़ाने हेतु निर्देशित किया गया एवं जिन भी विशेषज्ञ चिकित्सा अधिकारी की सर्जरी न्यूनतम है एवं उन्हें चेतवानी जारी करने के आदेश दिए गये साथ ही समस्त न्यूनतम प्रदर्शन वाले चिकित्सको को विगत छह माह में उनके द्वारा किये गए कार्यों की विशेष समीक्षा की जाएगी कजनपद के समस्त आयुष्मान आरोग्य मंदिरों को जिनके भी डाक्यूमेंट्स NQAS सर्टिफिकेट के लिये पोर्टल पर अपलोड नहीं किये गये हैं समस्त को पोर्टल पर अपलोड करने हेतु निर्देशित किया गया । आयुष्मान आरोग्य मंदिर के राज्य स्तरीय डैशबोर्ड में गाजियाबाद के द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया गया है, आयुष्मान आरोग्य मंदिरों को प्रतिदिन प्रातः 9 बजे से 4 बजे तक कार्य करने के आदेश दिया गया ,साथ ही केन्द्रों पर औषधि, टेस्ट किट की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु नोडल अधिकारी को आदेशित किया गया । जनपद में ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में रिक्त पदों के सापेक्ष अविलम्ब चयन प्रक्रिया संपन्न करने के निर्देश दिए गए गए क जननी सुरक्षा योजना के लाभर्थियों के भुगतान की समीक्षा के दौरान योजना में लापरवाही बरतने वाले कर्मियों पर कार्रवाई करने के निर्देश तथा लाभार्थी के भुगतान में किसी भी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी ।

कलेक्ट्रेट में विशेष बच्चों संग मनाया रक्षाबंधन, बच्चों ने बांधी हाथों से बनाई राखियां

कपिल चौहान

नोएडा (वेलकम इंडिया)। रक्षाबंधन के पावन पर्व पर कलेक्ट्रेट परिसर में ऑटिज्म एवं विशेष बच्चों के साथ भावनात्मक एवं आत्मीय माहौल में रक्षाबंधन मनाया गया। इस अवसर पर बच्चों ने अपने हाथों से तैयार की गई सुंदर राखियां बांधकर सभी के साथ खुशियां साझा कीं। कार्यक्रम में बच्चों के उत्साह और प्रतिभा ने सभी का मन मोह लिया। इस दौरान बच्चों को उनके उज्ज्वल, सुरक्षित एवं आत्मनिर्भर भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी गईं। कार्यक्रम का उद्देश्य विशेष बच्चों की प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के साथ उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ना रहा। अभय किड्स फाउंडेशन एवं आर्या फैशन्स द्वारा बच्चों को हैंडीक्राफ्ट का प्रशिक्षण देकर उन्हें हुनरमंद एवं आत्मनिर्भर बनाने की पहल की जा रही है। इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा गया कि ऐसे प्रशिक्षण बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ाने के साथ उन्हें भविष्य में अपने पैरों पर खड़ा होने का अवसर प्रदान करते हैं। कार्यक्रम ने रक्षाबंधन के पर्व को संवेदना, स्नेह और आत्मनिर्भरता के संदेश से जोड़ दिया।

रक्षाबंधन पर खाकी का मानवीय चेहरा, सड़क हादसे में भाई खो चुके परिवार का बनी सहारा

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। रक्षाबंधन के पावन पर्व पर गाजियाबाद पुलिस की संवेदनशीलता और मानवीय पहल सामने आई। एसीपी लोनी ने ट्रॉनिका सिटी क्षेत्र के ग्राम नौरसपुर पहुंचकर सड़क दुर्घटना में अपने एक बच्चे को खो चुके शोकसंतप्त परिवार से मुलाकात की। हादसे के बाद से परिवार गहरे सदमे में है।

एसीपी ने परिजनों को ढांढस बंधाते हुए उन्हें हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। इस दौरान उन्होंने परिवार के दूसरे बच्चे को अपने हाथों से मिठाई खिलाई, स्नेह दिया और आशीर्वाद प्रदान किया। उनके आत्मीय व्यवहार से परिवार की आंखें नम हो गईं।

मौके पर समाजसेवी एवं उद्योग मंडल अध्यक्ष सतीश उपाध्याय भी मौजूद रहे। उन्होंने परिवार को आर्थिक सहायता प्रदान कर इस कठिन समय में संबल दिया।

रक्षाबंधन के अवसर पर पुलिस की इस संवेदनशील पहल ने साबित किया कि खाकी सिर्फ कानून-व्यवस्था की प्रहरी नहीं, बल्कि दुख की घड़ी में जनता के साथ खड़ी रहने वाली संवेदनशील शक्ति भी है।

त्योहार की भीड़ में न लगे जाम, सड़कों पर उतरे अतिरिक्त पुलिस आयुक्त राजकरन नैय्यर

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। रक्षाबंधन पर्व के अवसर पर यात्रियों और आमजन की सुगम एवं सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (कानून व्यवस्था एवं यातायात) राजकरन नैय्यर ने शुक्रवार को प्रमुख मार्गों का निरीक्षण एवं भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न स्थानों पर यातायात के दबाव, डायवर्जन व्यवस्था और पुलिस बल की तैनाती का जायजा लिया।

त्योहार के मद्देनजर बाजारों, प्रमुख मार्गों और आवागमन वाले क्षेत्रों में बढ़ने वाली भीड़ को देखते हुए उन्होंने मौके पर तैनात अधिकारियों एवं पुलिसकर्मियों को पूरी मुस्तैदी के साथ ड्यूटी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी मार्ग पर जाम की स्थिति उत्पन्न न हो और यातायात का संचालन निर्बाध बना रहे। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त ने पुलिसकर्मियों को वाहन चालकों एवं राहगीरों की आवश्यकतानुसार सहायता करने तथा यातायात व्यवस्था पर लगातार नजर बनाए रखने के निर्देश दिए। पुलिस की सक्रियता से रक्षाबंधन पर्व पर यातायात व्यवस्था सुचारू रखने और आमजन को सुरक्षित आवागमन उपलब्ध कराने पर विशेष जोर रहा।

ऑपरेशन प्रहार में विजयनगर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 1.190 किलो गांजे के साथ महिला तस्कर गिरफ्तार

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे ह्यऑपरेशन प्रहारह्ल के तहत थाना विजयनगर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक महिला अभियुक्ता को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से 1 किलो 190 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया है। पुलिस के अनुसार, शुक्रवार को संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की चेकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना और स्थानीय इनपुट के आधार पर पुलिस टीम ने कब्रिस्तान के पास जल निगम, विजयनगर क्षेत्र में घेराबंदी की। इस दौरान गांजे की तस्करी के आरोप में दीपान्शी उर्फ सुनीता पत्नी सौरभ को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने अभियुक्ता के कब्जे से 1 किलो 190 ग्राम गांजा बरामद किया। गिरफ्तार महिला के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस का कहना है कि मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।

बिछड़ी मासूम को मिला 'रक्षाबंधन का रक्षक', पुलिस ने पिता से मिलाया, बच्ची ने बांधी राखी

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। रक्षाबंधन पर्व पर शहीद स्थल मेट्रो स्टेशन/नया बस अड्डा क्षेत्र में उमड़ी भारी भीड़ के बीच चार वर्षीय बच्ची इनाया अपने पिता से बिछड़ गई। बच्ची के पिता निजाम निवासी इस्लामनगर, चमन कॉलोनी, डासना ने ड्यूटी पर तैनात कोतवाली नगर पुलिसकर्मियों को इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही उपनिरीक्षक आकाश कुमार राय, उपनिरीक्षक नीरज लोहानी, कांस्टेबल चन्दन कुमार, कांस्टेबल सुनील कुमार और महिला कांस्टेबल अमृता सिंह ने तत्काल बच्ची की तलाश शुरू कर दी। पुलिस टीम ने कुछ ही देर में रेड माल के सामने से बच्ची इनाया को सकुशल बरामद कर उसके पिता के सुपुर्द कर दिया। बच्ची के मिलने पर पिता की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। भावुक पिता की इच्छा पर इनाया ने उपनिरीक्षक आकाश कुमार राय को राखी बांधी। उपनिरीक्षक ने बच्ची को उपहार स्वरूप चॉकलेट दी। पुलिस की तत्परता और संवेदनशीलता की स्थानीय लोगों ने सराहना की।

राखी के बदले बहनों को मिला सुरक्षा का तोहफा, ट्रैफिक पुलिस ने बांटे पिंक हेलमेट

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। रक्षाबंधन के पावन पर्व पर गाजियाबाद यातायात पुलिस ने सड़क सुरक्षा को लेकर अनूठी पहल की। शुक्रवार को हापुड़ चुंगी चौराहे पर आयोजित विशेष अभियान में दोपहिया वाहन चलाने वाली बहनों को निःशुल्क आईएसआई मार्क पिंक हेलमेट वितरित किए गए। कार्यक्रम में बहनों ने यातायात पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों की कलाई पर राखी बांधकर उनके सुरक्षित एवं दीर्घायु जीवन की कामना की। इसके बदले पुलिस ने उन्हें सुरक्षा का उपहार दिया। पुलिस उपायुक्त यातायात की अध्यक्षता में हुए कार्यक्रम में अपर पुलिस उपायुक्त यातायात, सहायक पुलिस आयुक्त द्वितीय, यातायात निरीक्षक व पुलिसकर्मी मौजूद रहे। अधिकारियों ने वाहन चालकों को हेलमेट पहनने और यातायात नियमों का पालन करने के लिए जागरूक किया। हेलमेट प्राप्त करने वाली महिलाओं ने पुलिस की पहल की सराहना की। यातायात पुलिस ने कहा कि ह्यसुरक्षा ही सही मायने में सबसे बड़ा उपहार है।ह्ल नागरिकों से गुणवत्तापूर्ण आईएसआई हेलमेट पहनने और सुरक्षित वाहन चलाने की अपील की गई।

डासना जेल में रक्षाबंधन पर छलकीं आंखें, 5 हजार बहनों ने भाइयों की कलाई पर बांधी राखी

जेलर सीताराम शर्मा

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। रक्षाबंधन के पावन पर्व पर गाजियाबाद की डासना जिला जेल में भाई-बहन के अटूट प्रेम और भावनाओं का अनोखा संगम देखने को मिला। जेल में निरुद्ध अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधने के लिए करीब पांच हजार बहनें जेल पहुंचीं।

सुबह से ही जेल के बाहर बहनों की लंबी कतारें लग गईं। जेल प्रशासन की ओर से पर्व को लेकर विशेष इंतजाम किए गए। बहनों के लिए टेंट लगाकर बैठने की व्यवस्था की गई तथा पेयजल, राखी और मिठाई की सुविधा उपलब्ध कराई गई। जेल अधीक्षक सीताराम शर्मा के निर्देशन में मुलाकात की व्यवस्था को भी सहज बनाया गया। इस बार बहनों को जाली वाली खिड़की के बजाय जेल परिसर में सुरक्षा व्यवस्था के बीच भाइयों से मिलवाया गया।

बहनों ने भाइयों की कलाई पर राखी बांधी और उनकी लंबी उम्र व खुशहाली की कामना की। लंबे समय बाद आमने-सामने मिलकर कई भाई-बहन भावुक हो गए और उनकी आंखों से आंसू छलक पड़े।

जेल अधीक्षक सीताराम शर्मा ने रक्षाबंधन के अवसर पर बहनों के लिए विशेष उपहार की व्यवस्था कर पर्व की खुशियों को और यादगार बनाया। पूरे जेल परिसर में भाई-बहन के स्नेह और भावनाओं का मार्मिक दृश्य देखने को मिला।

राखी के धागे ने जोड़े रिश्ते, विजयनगर पुलिस ने बुजुर्ग महिला और उसके बेटे संग मनाया रक्षाबंधन

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। रक्षाबंधन के पावन पर्व पर विजयनगर थाना मिशन शक्ति एवं पिंक बूथ टीम ने ड्यूटी के साथ इंसानियत की मिसाल पेश की। ह्यऑपरेशन डिकॉयह्ल के तहत गश्त के दौरान पुलिसकर्मियों की नजर सड़क किनारे बैठी बुजुर्ग महिला नीलम पत्नी बालानंद पर पड़ी।

बातचीत में महिला ने बताया कि उनका कोई रिश्तेदार नहीं है और उन्होंने आशीष नामक बच्चे को गोद लेकर अपना परिवार बनाया है। पुलिसकर्मियों ने जब पूछा कि रक्षाबंधन पर उनकी कलाई पर राखी क्यों नहीं है, तो महिला की आंखें नम हो गईं। उन्होंने बताया कि इस बार न तो उन्हें और न ही उनके बेटे को किसी ने राखी बांधी।

महिला की भावनाओं को समझते हुए पुलिसकर्मियों ने वहीं रक्षाबंधन मनाने का निर्णय लिया। महिला ने पुलिसकर्मी की कलाई पर राखी बांधी, जबकि मिशन शक्ति टीम ने उनके गोद लिए बेटे आशीष की कलाई पर राखी बांधी। पुलिसकर्मियों ने मिठाई खिलाकर उनका आशीर्वाद लिया। इस पहल ने साबित किया कि वर्दी का रिश्ता कानून से आगे बढ़कर इंसानियत से भी जुड़ा है।